ममता की हार देख 02
अखिलेश ने आईपैक...

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रेगनेंसी के बावजूद 11
राका की...

वर्ष - 02, अंक - 33 | गाजियाबाद / गुरूवार 07 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

तमिलनाडु में एक्टर विजय ने सरकार बनाने का दावा किया

- 112 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा,
- भावी सीएम की सुरक्षा बढ़ी
- कांग्रेस का साथ छूटने से द्रमुक को लगा बड़ा झटका

राज्यपाल ने 118 विधायकों के समर्थन की शर्त रखी

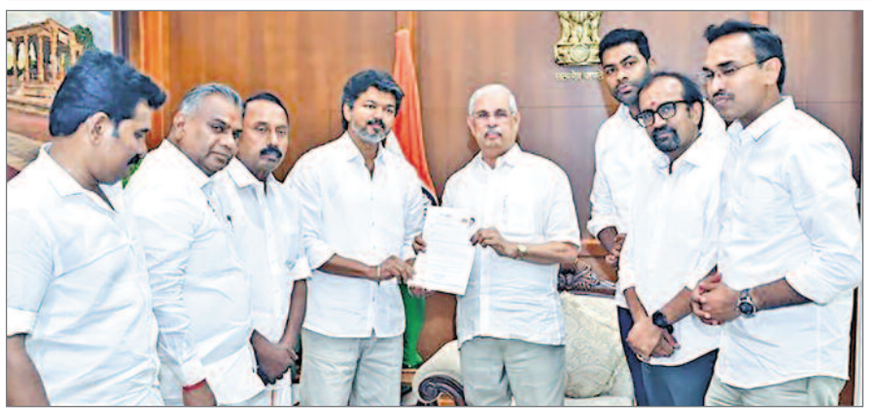

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में कांग्रेस से समर्थन मिलने के बाद टीवीके के प्रमुख और अभिनेता विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। विजय लगभग शाम तीन बजे लोक भवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की।

विजय ने राज्यपाल को 112 विधायकों के समर्थन वाला पत्र सौंपा। हालांकि, राज्यपाल ने बहुमत की पुष्टि के लिए उनसे कहा कि वे 118 विधायकों के समर्थन के साथ दोबारा आएं।

तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगा और अन्य नेताओं ने टीवीके मुख्यालय में विजय से मुलाकात की और सरकार बनाने के लिए पूरा समर्थन देने का ऐलान किया। इससे डीएमके को बड़ा राजनीतिक झटका लगा।

कांग्रेस के समर्थन के बावजूद टीवीके को अभी भी बहुमत हासिल करने के लिए कुछ सीटों की आवश्यकता है। वीसीके और अन्य छोटे दलों का रुख अब भी स्पष्ट नहीं है। विजय बाकी दलों के समर्थन पत्रों का इंतजार कर सकते हैं।

टीवीके प्रमुख विजय के 7 मई को नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना जताई जा रही थी। शपथ ग्रहण समारोह के लिए चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में तैयारियां चल रही हैं। समारोह में राहुल गांधी के शामिल होने की भी संभावना है। इस बीच, भविष्य के मुख्यमंत्री घोषित होने के बाद विजय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

टीवीके चीफ विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण समारोह के लिए चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में तैयारियां चल रही हैं। इस शपथ ग्रहण में राहुल गांधी के शामिल होने की उम्मीद है। इस बीच भावी सीएम घोषित होने के बाद टीवीके प्रमुख एक्टर विजय की सुरक्षा बढ़ा दी गई।

> गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में टीवीके को 108, डीएमके को 59, एआईएडीएमके को 47, कांग्रेस को 5 सीटें मिली हैं। पीएमके को 4 और आईयूएमएल को दो और सीपीआई को भी दो सीटें मिली हैं। भाजपा ने राज्य में 1 सीट जीती है। एक्टर विजय ने दो साल पहले टीवीके का गठन किया था। उन्होंने दक्षिण में एमजीआर और एनटीआर के जैसा करिश्मा दोहराया है। विजय की जीत में 18 से 40 साल के आयु वर्ग की बड़ी भूमिका है। विजय ने दो सीटों से चुनाव लड़े थे। वह दोनों सीटों से जीते हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में उन्हें एक सीट खाली करनी पड़ेगी।

शपथ ग्रहण की तैयारी और सुरक्षा

टीवीके प्रमुख विजय के 7 मई को नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है। समारोह के लिए तैयारियां चल रही हैं और इसमें राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना है। शपथ ग्रहण के बाद विजय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पीएम मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति की मौजूदगी में लगी मुहर

भारत-वियतनाम के बीच रक्षा सहित 12 समझौते

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वियतनाम ने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए दुर्लभ खनिज, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और सूचना प्रौद्योगिकी सहित 12 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के साथ-साथ कई अहम घोषणाएं भी की हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की यात्रा पर आए वियतनाम के राष्ट्रपति तो लम के बीच बुधवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

दोनों देशों ने संबंधों को 'एन्हांस्ड कॉम्प्रिहेन्सिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' तक उन्नत करने का निर्णय लिया जो हिन्द -प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग और रणनीतिक सामंजस्य को बताता है। इन समझौतों के तहत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है, विशेष रूप से, दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ एलिमेंट्) के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जो इलेक्ट्रॉनिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। डिजिटल क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी और उभरती तकनीकों में सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति बनी है। इसके साथ ही वित्तीय सहयोग को बढ़ाते हुए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों और भुगतान संस्थाओं के बीच समझौते हुए हैं, जिनसे सीमा-पार डिजिटल भुगतान और क्यू आर आधारित लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग मजबूत करने का निर्णय लिया गया है। इसमें दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों और जैविक उत्पादों के नियमन से जुड़े समझौते किए गए हैं। शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र में कई पहलें शुरू की गई हैं, जिनमें वियतनाम के विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन केंद्र स्थापित करना और प्राचीन चाम पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण शामिल है, जो दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा। शहरी विकास के क्षेत्र में मुंबई और हो ची मिन्ह सिटी के बीच सहयोग स्थापित किया गया है, जिससे शहरी प्रबंधन और आर्थिक विकास के अनुभवों का आदान-प्रदान होगा। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के ऑडिट में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए भी दोनों देशों ने सहयोग को आगे बढ़ाया है। पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए 2026 से 2030 तक के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम और पर्यटन समझौते किए गए हैं, जो लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करेंगे। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है। साथ ही, वियतनाम ने 'इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव' में शामिल होने की घोषणा की है, जिससे क्षेत्रीय सहयोग और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। कृषि व्यापार को बढ़ाते हुए भारत से अंगूर का निर्यात और वियतनाम से ड्यूरियन का आयात किया जाएगा। इसके अलावा, माय सोन स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर एक साइट इंटरप्रिटेशन सेंटर स्थापित करने की भी घोषणा की गई है, जो पर्यटन और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देगा।

इन समझौतों और घोषणाओं के साथ भारत और वियतनाम ने आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपने सहयोग को और गहरा करने तथा क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई है।

लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

- अब 22 मई को होगी अगली सुनवाई

आईआरसीटीसी घोटाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू परिवार को लेकर बड़ी कानूनी कार्रवाई फिलहाल टल गई। बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 मई को होगी, जब अदालत अपना फैसला सुनाएगी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। गौरतलब है कि इससे पहले भी 16 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई टल गई थी। उस समय अदालत को आरोप तय करने थे, लेकिन सुनवाई आगे बढ़ा दी गई और अगली तारीख 6 मई तय की गई थी। यह पूरा मामला आईआरसीटीसी होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है। उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के रखरखाव के लिए टेंडर देने में नियमों का पालन नहीं किया गया और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन या अन्य आर्थिक फायदे दिए गए।

मृत कर्मचारी का मुआवजा वास्तविक वेतन पर तय होना चाहिए : हाईकोर्ट

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के सहायता राशि मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए स्पष्ट किया कहा कि किसी कर्मचारी की मौत के बाद उसके परिवार को मिलने वाला मुआवजा पुराने तय वेतन सीमा के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक (असल) वेतन के अनुसार तय किया जाना चाहिए।

दरअसल, मामला जगदलपुर के ट्रक चालक सत्येंद्र सिंह से जुड़ा है, जिनकी 15 दिसंबर 2017 को सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी पत्नी, बच्चों और मां ने मुआवजे के लिए दावा किया था। श्रम न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए चालक की मासिक आय 9,880 रुपये मानी और करीब 9.49 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया, लेकिन बीमा कंपनी ने इस फैसले को चुनौती दी। कंपनी का कहना था कि केन्द्र सरकार के नियमों के अनुसार अधिकतम वेतन 8,000 रुपये ही माना जाना चाहिए। न्यायालय में न्यायाधीश बिभू दत्ता गुरु की एकल पीठ ने बीमा कंपनी की इस दलील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि कर्मचारी मुआवजा अधिनियम एक सामाजिक कल्याण से जुड़ा कानून है, इसलिए मुआवजा तय करते समय उस समय के वास्तविक वेतन और परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी है। अदालत ने कलेक्टर दर के आधार पर तय 9,880 रुपये की मासिक आय को सही और न्यायसंगत माना। हालांकि, उच्च न्यायालय ने श्रम न्यायालय के उस फैसले में बदलाव किया, जिसमें ब्याज को शर्तों के साथ लागू किया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजे पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज दुर्घटना की तारीख (15 दिसंबर 2017) से ही मिलेगा, न कि 45 दिन बाद से। अंत में न्यायालय ने बीमा कंपनी की अपील खारिज कर दी और पीड़ित परिवार की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए आदेश दिया कि मुआवजे की पूरी राशि पर 15 दिसंबर 2017 से भुगतान होने तक 12 प्रतिशत ब्याज दिया जाये।

अमेरिका में उठी आवाज, रूस से तेल छूट वापस ली जाए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका की राजनीति में रूस और ऊर्जा नीति को लेकर नई बहस छिड़ गई। कई डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने ट्रंप प्रशासन से रूस के तेल पर दी गई छूट (वेवर) को तुरंत वापस लेने की मांग की। उनका आरोप है कि इस फैसले से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बड़ा आर्थिक फायदा हो रहा है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक ऊर्जा संकट बना हुआ है।

ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को लिखे पत्र में 13 वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने रूस पर तेल प्रतिबंध दोबारा लागू करने और मॉस्को की ऊर्जा आय को सीमित करने के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की है। इस पत्र का नेतृत्व सीनेटर माइकल बेनेट ने किया, जबकि एडम शिफ, एलिजाबेथ वॉरेन, एलेक्स पैडिला, टैमी बाल्डविन, रिचर्ड ब्लूमेंथल, जेफ मर्कले और राफेल वॉर्नाक समेत अन्य सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर किए। सीनेटरों ने पत्र में कहा कि हम ट्रंप प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वह रूसी तेल की आपूर्ति पर लगे प्रतिबंधों को फिर से लागू करे, जिन्हें हाल ही में एक सामान्य लाइसेंस जारी कर रोक दिया गया था।

रोमानिया में गिरी पीएम इली की सरकार

संसद में अविश्वास प्रस्ताव पास

बुखारेस्ट (एजेंसी)। रोमानिया की द्विसदनीय संसद ने प्रधानमंत्री इली बोलोजान की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास कर दिया। इसमें 281 वोट पक्ष में और सिर्फ चार वोट विपक्ष में पड़े, जिससे सरकार गिर गई। यह जानकारी संसद के लाइव प्रसारण के अनुसार सामने आई। संविधान के अनुसार, जैसे ही यह प्रस्ताव पास हुआ, बोलोजान में अब एक कार्यवाहक सरकार बन जाएगी। इसका मतलब है कि अब यह सरकार सिर्फ रोजमर्रा के प्रशासनिक काम ही कर सकेगी। यह सरकार न तो कोई नया कानून बना सकेगी और न ही आपातकालीन आदेश जारी कर सकेगी। इस अंतरिम सरकार का कार्यकाल अधिकतम 45 दिनों तक हो सकता है।

पेशावर में बंद होगा अमेरिकी वाणिज्य दूतावास

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर स्थित अपने वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट जनरल) को चरणबद्ध तरीके से बंद करने का फैसला किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि अब खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से जुड़े सभी राजनयिक कामकाज इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास के जरिए संभाले जाएंगे। विदेश विभाग ने संक्षिप्त बयान में कहा कि यह फैसला हमारे राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप का ऐलान: अमेरिका में फिर शुरू होगा 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट'

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था।

व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा कि आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।

> ट्रंप ने कहा कि आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा कि अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज्यादा वजन वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की।

भाटी माइंस में 13 वर्षीय छात्र की गला घोंटकर हत्या, जंगल में मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के भाटी माइंस इलाके में 13 वर्षीय छात्र की गला घोंटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। छात्र मंगलवार शाम दोस्तों के साथ खेलने के लिए घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने तलाश शुरू की तो उसका शव पास के जंगल क्षेत्र से बरामद हुआ। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस के अनुसार मृतक नौवीं कक्षा का छात्र था और परिवार के साथ भाटी माइंस क्षेत्र में रहता था। मंगलवार शाम वह रोज की तरह घर से दोस्तों के साथ खेलने के लिए निकला था। देर रात तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिवार ने पुलिस को सूचना देकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने की शिरकत, बोले

'हिमाद्रि उत्तराखंड के लिए गौरव और संभावनाओं का प्रतीक'

देहरादून (एजेंसी)।

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिरकत की। उन्होंने खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और उपस्थित अतिथियों को संबोधित किया। उन्होंने हिमाद्रि आइस रिंक के एक वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने उत्तराखंड आइस हॉकी टीम की जर्सी और 'पे एंड प्ले' पोर्टल का भी विमोचन किया। जिसे प्रदेश में खेल सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा 'हिमाद्रि' देश की एकमात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर की आइस रिंक है। यह केवल एक खेल परिसर नहीं बल्कि उत्तराखंड के लिए गौरव और संभावनाओं का प्रतीक है, जो खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 में स्थापित इस आइस रिंक में साउथ एशियन विंटर गेम्स जैसे बड़े आयोजन हुए थे।

राज्य में खेल अवसंरचना को किया जा रहा मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में आइस स्केटिंग और आइस हॉकी जैसे शीतकालीन खेलों के प्रति युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले समय में भारत इन खेलों में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर सकता है। उन्होंने कहा उत्तराखंड सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। राज्य में खेल अवसंरचना को मजबूत किया जा रहा है।

हल्द्वानी में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का तेजी से किया जा रहा कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार 'स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान' लागू करने जा रही है। जिसके तहत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों में हर वर्ष लगभग 920 विश्वस्तरीय एथलीटों और 1000 अन्य खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जिससे प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को सही दिशा और मंच मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हल्द्वानी में उत्तराखंड के पहले खेल विश्वविद्यालय और लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना के लिए भी तेजी से कार्य किया जा रहा है।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: पेजेशकियान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा कि हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है। उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता।

मध्य प्रदेश में गहराया भू-जल संकट: मालवा-बुंदेलखंड में हजार फीट पर भी धूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की ताजा रिपोर्ट ने मध्य प्रदेश के भू-जल स्तर की भयावह स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कई प्रमुख क्षेत्रों में भू-जल का दोहन खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे भविष्य में पानी का विकट संकट खड़ा होने की आशंका है।

मालवा क्षेत्र, अपनी उपजाऊ मिट्टी के लिए प्रसिद्ध, अब भू-जल खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। विशेष रूप से उज्जैन जिले की स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुछ ब्लॉकों में भू-जल रिचार्ज से कहीं अधिक 144 प्रतिशत तक निकाला जा रहा है। उज्जैन के सभी छह ब्लॉक रेड अलर्ट श्रेणी में हैं। राजधानी भोपाल में भी भू-जल का दोहन 80 प्रतिशत के पार निकल गया है, और इसके तीनों ब्लॉक सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में हैं, जिसका सीधा अर्थ है कि भू-जल का उपयोग रिचार्ज की तुलना में कहीं अधिक हो रहा है।

बुंदेलखंड क्षेत्र भी गहरे जल संकट का सामना

कर रहा है। टीकमगढ़ के सभी ब्लॉक तेजी से रेड जोन की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि टीकमगढ़ और छतरपुर के आधे हिस्सों में भू-जल का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा कर रहा है। भू-जल अधिकारियों का कहना है कि 70 प्रतिशत से अधिक भू-जल का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए; इससे अधिक उपयोग ब्लॉक को असुरक्षित श्रेणी में डाल देता है।

रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि पानी खींचने की यही गति बनी रही, तब आने वाले सालों में इन इलाकों में बोरवेल सिर्फ धूल निकलनी है। इसके प्रमाण अभी से मिलने लगे हैं। उज्जैन की खाचरोद तहसील के पथलासी गांव में 1100 फीट की गहराई पर भी पानी नहीं मिल रहा है, जहां 24 निजी बोरवेल में से केवल तीन ही सफल हुए और तीन सरकारी बोर भी सूखे पड़े हैं। वहीं, टीकमगढ़ के माडूमार गांव में 400 फीट पर भी पानी न होने के कारण किसान केवल खरीफ की फसल पर निर्भर हैं और रबी की बुवाई के लिए सिंचाई का पानी खरीदना पड़ता है। फिलहाल राहत की बात केवल सागर जिले से है, जहां सभी 11 ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में बने हुए हैं क्योंकि यहां 70 प्रतिशत से कम भू-जल का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, पूरे प्रदेश में बिगड़ती भू-जल स्थिति एक बड़े सूखे और जल संकट की ओर इशारा कर रही है, जिस पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है।

ममता की हार देख अखिलेश ने आईपैक से तोड़ा नाता, अब पार्टी खुद करेगी चुनाव प्रबंधन

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की चुनावी हार के बाद चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक से अपना रिश्ता खत्म करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि अब पार्टी खुद चुनाव प्रबंधन करेगी। आधिकारिक तौर पर सपा की तरफ से आईपैक से ना तो रिश्ता जोड़ने का कोई बयान आया था ना ही अब जबकि 2027 चुनाव के लिए आईपैक से संबंध टूटे हैं तो इसका कोई आधिकारिक बयान पार्टी की तरफ से आया है, लेकिन पार्टी सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव प्रबंधन करने वाली सबसे चर्चित कंपनी आईपैक से अब समाजवादी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। सपा के इंसाइडर्स यह बता रहे हैं कि आईपैक पर पड़े लगातार छापे और अब दो राज्यों में चुनावी हार, जहां आईपैक इस चुनाव को मैनेज कर रही थी उसके बाद पार्टी के थिंक टैंक ने इस संस्था से दूरी बनाना ही बेहतर समझा है और आईपैक को ये बात भी दी है कि चुनाव में साथ नहीं चल सकते। बता दें जिस दिन कोलकाता में आईपैक ऑफिस में छापे पड़ रहे थे और ममता बनर्जी आईपैके के दफ्तर पहुंच गई, उसे दिन समाजवादी पार्टी ऑफिस आईपैक अपना प्रेजेंटेशन दे रही थी। आईपैक के साथ जाने का सब कुछ तय हो चुका था, लेकिन प्रेजेंटेशन के दिन ही पड़े छापे ने अखिलेश यादव का खबरदार कर दिया था और तभी यह पार्टी सोचने लगी थी क्या आईपैड को साथ लेना कहीं भारी तो नहीं पड़ जाएगा। अब ममता और स्टालिन की हार के बाद इस पर मोहर लग गई है।

सबरीमाला से शुरू हुई बहस, अब मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक बहिष्कार पर सर्वोच्च न्यायालय में बड़ा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में इन दिनों धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को लेकर एक बेहद अहम सुनवाई चल रही है। सबरीमाला मामले से शुरू हुई यह कानूनी बहस अब केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा कई धार्मिक समुदायों की परंपराओं तक पहुंच चुका है। अदालत अब यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायपीठ ने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश, पारसी समुदाय में अंतरधार्मिक विवाह करने वाली महिलाओं के बहिष्कार और दाऊदी बोहरा समाज में सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रथाओं पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि क्या किसी महिला को विवाह के आधार पर समुदाय से अलग करना वास्तव में धार्मिक परंपरा है या फिर यह समय के साथ बनी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। बहस के दौरान पारसी महिलाओं की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के बहिष्कार का कोई स्पष्ट धार्मिक आधार दिखाई नहीं देता और यह अधिकतर मानव निर्मित व्यवस्था प्रतीत होती है। न्यायपीठ ने यह भी जानना चाहा कि यदि पुरुषों को अलग नियमों के तहत स्वीकार किया जाता है तो महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था क्यों लागू हो। अब इस मामले में आने वाला फैसला केवल एक विवाद का समाधान नहीं करेगा, बल्कि यह देश में धर्म, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नई दिशा भी तय कर सकता है।

फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला गैंग का पर्दाफाश

-ग्रामीण क्षेत्र के युवा होते हैं गैंग के निशाने पर

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला बड़ा गैंग सामने आया है। इस गैंग ने ग्रामीण इलाकों के कई युवाओं को अपनी ठगी का शिकार बनाया। ताजा मामला उमापुर गांव से सामने आया है, जहां युवती ने आठ बार शादी करने के बाद नौवीं बार उमापुर के एक युवक से शादी कर लाखों रुपये का चूना लगा दिया। उमापुर निवासी युवक की शादी के लिए कुछ एजेंटों ने मध्यस्थता की। शादी तय करने के नाम पर युवक से लाखों रुपये लिए। इसके बाद बाकायदा शादी हुई, लेकिन कुछ समय बाद दुल्हन और उन एजेंटों का असली चेहरा सामने आ गया। जांच में यह खुलासा हुआ कि जिस लड़की से युवक की शादी हुई, वह पहले आठ बार शादी कर चुकी थी। इस धोखाधड़ी का शिकार हुआ युवक अब परेशान हो रहा है। युवक ने मामले की शिकायत एसपी से की। युवक ने कहा कि अंधेरे में रखकर शादी कराई गई थी। जिस युवती से शादी हुई, उसकी यह नौवीं शादी थी। युवक का कहना है कि दुल्हन एक और दूल्हे अनेक बनाकर यह गिरोह युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहा है। यह गैंग खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के उन युवकों को निशाना बनाता था, जिन्हें शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में परेशानी होती है। यह गैंग एजेंटों के जरिए युवकों को निशाना बनाया जाता है।

सिंहस्थ तैयारियों को झटका : शिप्रा किनारे व्यावसायिक निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

उज्जैन (एजेंसी)। साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले शिप्रा नदी के करीब प्रस्तावित निर्माण गतिविधियों को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। उच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि शिप्रा नदी के किनारे किसी भी प्रकार की कारोबारी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। विशेष रूप से, नदी तट से 100 से 200 मीटर के दायरे में प्रस्तावित रिसॉर्ट निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह फैसला उज्जैन निवासी सत्यनारायण द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मास्टर प्लान के प्रावधानों का उल्लंघन कर हो रहे अवैध निर्माणों को चुनौती दी गई थी। पूर्व में, हाईकोर्ट ने नगर निगम और राज्य शासन को 200 मीटर क्षेत्र में अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई में, उज्जैन नगर निगम ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है, कुछ अतिक्रमण हटाए गए हैं और कुछ को नोटिस जारी किए गए हैं। सुनवाई के दौरान मेला को ध्यान में रखकर बनाई गई रिवर फ्रंट डेवलपमेंट योजना का भी उल्लेख हुआ। इस योजना के तहत, नदी से 100 मीटर क्षेत्र में घाट विकास और सुंदरीकरण जैसे गैर-व्यावसायिक कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें कोर्ट ने सैद्धांतिक रूप से इजाजत योग्य माना। हालांकि, 100 से 200 मीटर के दायरे में आश्रम, मठ, प्रवचन हॉल, धर्मशालाओं के साथ-साथ प्रस्तावित रिसॉर्ट जैसी कारोबारी गतिविधियों को लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नदी किनारे रिसॉर्ट जैसे व्यावसायिक निर्माण को स्वीकार करना संभव नहीं है। अगली सुनवाई तक, इस 100 से 200 मीटर क्षेत्र में किसी भी प्रकार के रिसॉर्ट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय सिंहस्थ की तैयारियों में शामिल उन योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनमें शिप्रा तट के व्यावसायिक उपयोग की परिकल्पना की गई थी।

इंडिया गठबंधन का सिर्फ एक ही काम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना

-राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कांग्रेस पर हुए हमलावार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने फिर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी स्पष्ट मिशन या विजन पर आधारित नहीं है। बल्कि भ्रम, विभाजन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का समूह है। जिसका सिर्फ एक ही काम हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस लोकल दलों का इस्तेमाल कर उन्हें बाद में छोड़ देती है। उन्होंने दावा किया कि देश में इस गठबंधन की कोई मजबूत उपस्थिति या एकजुटता दिखाई नहीं देती है और यह केवल राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बना एक अस्थायी गठबंधन है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन कोई वैचारिक गठबंधन नहीं है, बल्कि यह भ्रम और विभाजन का गठबंधन है। उनके अनुसार, इसमें शामिल दलों के बीच न नीति को लेकर एकरूपता है और न ही देश के विकास के लिए कोई साझा विजन इन लोगों के पास मौजूद है।

पंजाब धमाकों पर बोले फारूक अब्दुल्ला- हिंदुस्तान में ब्लास्ट तो होते रहते....

-सियासी हलके में हुई तीखी प्रतिक्रिया

जम्मू (एजेंसी)। पंजाब में हुए ताजा बम धमाकों के बीच फारूक अब्दुल्ला के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने धमाकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है और इसे असंवेदनशील बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात पंजाब के जालंधर और अमृतसर में तीन घंटे के अंतराल में दो धमाके हुए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, जालंधर में रात करीब 8:15 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं और आवाज लगभग डेढ़ किलोमीटर तक सुनी गई। इस घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, जबकि स्कूटी चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, दूसरी घटना अमृतसर के खासा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हुई, जहां रात लगभग 10:50 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक सामग्री फेंकी, जो दीवार से टकराते ही फट गई। इस धमाके से परिसर की दीवार और टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, फारूक अब्दुल्ला के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के पीछे की साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

भारत करेगा इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन की मेजबानी, 1-2 जून 2026 को नई दिल्ली में आयोजन

अरणि गौड़

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। भारत वर्ष 2026 में इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 1 और 2 जून 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को आईबीसीए समिट 2026 की आधिकारिक वेबसाइट और लोगो लॉन्च किया। इस अवसर पर सम्मेलन की थीम पर आधारित एक प्रचार फिल्म भी जारी की गई।

कार्यक्रम में विभिन्न बिग कैट रेंज देशों के राजनयिकों, पर्यावरण मंत्रालय, विदेश मंत्रालय तथा आईबीसीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। भारत स्थित यह अंतर सरकारी संगठन दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्ली प्रजातियों शेर, बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा के संरक्षण के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह सम्मेलन वैश्विक वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा। Save Big Cats, Save Humanity, Save Ecosystem थीम पर आधारित यह आयोजन दुनिया भर के 400 से अधिक संरक्षण विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं, वैज्ञानिकों, वित्तीय संस्थानों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों और सामुदायिक संगठनों को एक मंच पर लाएगा। उन्होंने बताया कि भारत ने 'प्रोजेक्ट टाइगर' सहित शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता संरक्षण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। भारत का अनुभव यह दशार्ता है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। भूपेंद्र यादव ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2023 में इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस की शुरूआत की गई थी। इसका उद्देश्य उन देशों को एकजुट करना है जहां बड़ी बिल्ली प्रजातियां पाई जाती हैं, ताकि ज्ञान साझा करने, सहयोग और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इनके संरक्षण को मजबूत किया जा सके।

सम्मेलन के दौरान दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाया जाएगा, जो वैश्विक स्तर पर बिग कैट संरक्षण के लिए पहली साझा घोषणा होगी। इसमें सीमा पार सहयोग, साझा रणनीति और प्राकृतिक आवास संरक्षण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सम्मेलन में 95 बिग कैट रेंज देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके साथ ही एक विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें जनजातीय कला, बिग कैट पेंटिंग्स, वर्चुअल रियलिटी अनुभव, फिल्में और भारत की संरक्षण उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

मंत्री ने सभी देशों से सम्मेलन में उच्चस्तरीय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि जो देश अभी तक आईबीसीए से नहीं जुड़े हैं, उन्हें भी इस वैश्विक पहल का हिस्सा बनना चाहिए, ताकि इन दुर्लभ प्रजातियों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

चुनावी हार के बाद ममता और अभिषेक की सुरक्षा में कटौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के दो दिन बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कमी की गई है। बुधवार सुबह 6:30 बजे से उनके आवासों और कार्यालयों के बाहर पुलिस व्यवस्था कम की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीन परिसरों 88ए हरीश चटर्जी (ममता बनर्जी का आवास), 121 कालीघाट रोड (पार्टी का मुख्यालय) और 9 कैमक स्ट्रीट (अभिषेक बनर्जी का कार्यालय) से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया गया है। अब केवल जेड+ सुरक्षा व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि इसके अतिरिक्त तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाया गया है। मंगलवार को ही हरीश चटर्जी रोड पर लगे कैंचीनुमा बैरिकेड जैसे कुछ अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों को हटाया गया था और उनकी जगह मैनुअल रेलिंग लगा दी गई थीं। यह घटनाक्रम इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद सामने आया है। भाजपा ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें हासिल की थीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। इस बीच, राज्य के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया है। दत्ता दिसंबर 2023 से एडवोकेट जनरल थे और इससे पहले 2017 से 2021 तक भी इस पद पर रह चुके थे।

ममता बनर्जी ने राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर बड़ी गलती की: राउत

-कांग्रेस नेता ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ, वह दूरदर्शी नेता

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर और उनसे गठबंधन के संबंध में वार्ता ना करके बड़ी गलती की, वरना विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और ही होते। ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट पर बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत लोकतंत्र की जीत नहीं है, क्योंकि एसआईआर के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं की हार के बावजूद, इंडिया गठबंधन का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ। वह एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी ने भी एक समय अधिकांश राज्यों में जीत हासिल की थी, फिर भी उन्हें बाद में करारी हार का सामना करना पड़ा। राउत ने कहा कि बीजेपी भी इस समय शिखर पर है और भविष्य में उसे भी हार का सामना करना पड़ेगा।

राउत ने बुधवार को कहा कि ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। मैंने उनकी बातों को ध्यान से सुना और समझा। उन्होंने पहली बात यह कही कि चुनाव आयोग विलेन है और इसी विलेन ने चुनाव जीता है। दूसरी बात उन्होंने कही कि पोलिंग बूथों और काउंटिंग सेंटरों पर डराया-धमकाया गया, जो कि बहुत शर्मनाक था। ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया है कि 100 विधानसभा सीटों पर धांधली हुई और लाखों नाम हटा दिए गए, उनके मुताबिक ये बातें सच हैं। उन्होंने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनकी नैतिक जीत है और वह खुद को जीता हुआ मानती हैं। शिवसेना सांसद ने कहा कि ममता दीदी हमेशा से एक आंदोलनकारी रही हैं, चाहे वह सीएम हों, सत्ता में हों या विपक्ष में। सीएम रहते हुए भी वह ईडी और केंद्र सरकार जैसी एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी हैं। अगर वह कह रही हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि वह हारी नहीं हैं, तो मैं इसे उनके विरोध के एक हिस्से के रूप में देखता हूं। यह एक आंदोलन है, सरकार के रवैये के खिलाफ एक तरह का प्रतिरोध है और मेरा मानना है कि ऐसा आंदोलन होना चाहिए।

बता दें पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने 207 सीटें जीती हैं, जबकि टीएमसी महज 80 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को 2 सीटों पर जीत मिली है। पहली बार चुनाव में उतरी हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी को भी 2 सीटें मिलीं, जबकि लेफ्ट और एआईएसएफ के खाते में 1-1 सीट आई।

आईआरसीटीसी घोटाला : लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

-राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई 22 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को लेकर अहम कानूनी फैसला फिलहाल टल गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित करते हुए अगली सुनवाई 22 मई तय की है। अब उसी दिन अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय देगी।

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 16 अप्रैल को भी इस मामले में सुनवाई टल गई थी और अदालत ने 6 मई की तारीख निर्धारित की थी।

पूरा मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है। उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडर प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन करते हुए एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन और अन्य आर्थिक फायदे दिए गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में पद का दुरुपयोग किया गया और टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। सीबीआई ने 7 जुलाई 2017 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों को नामजद किया गया। इसके बाद दिल्ली, पटना, रांची और गुरुग्राम समेत कई शहरों में छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जुटाए गए। हालांकि, लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश के तहत तैयार किया गया है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। अब इस मामले में 22 मई की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अदालत आरोप तय करने पर अंतिम फैसला सुना सकती है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा का संकल्प पत्र खड़ी करेगा चुनौतियां

बंगाल में वित्तीय चुनौतियों के बीच संतुलन की बड़ी परीक्षा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक युग का अंत हुआ है। 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को बेदखल कर भाजपा ने राज्य की कमान संभाल ली है। इस बड़े राजनीतिक उलटफेर के बाद अब प्रदेश की जनता और आर्थिक विशेषज्ञों की नजरें नई सरकार के उन वादों पर टिकी हैं, जो भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र संकल्प पत्र में किए थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कर्ज और सीमित संसाधनों के दबाव में दबी राज्य की अर्थव्यवस्था इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का बोझ कैसे उठाएगी।

भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों में सबसे प्रमुख महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देना है। इस योजना का उद्देश्य कमजोर वर्गों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना है, लेकिन इसका सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा। इसके साथ ही, लंबे समय से लंबित सातवें वेतन आयोग को लागू करने और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का वादा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत तो है, लेकिन इससे राज्य के राजस्व व्यय में भारी वृद्धि होना तय है। वर्तमान वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो बंगाल की नई सरकार के लिए राह आसान नहीं दिखती। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का राजकोषीय घाटा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत रहा है। हालांकि, आगामी वर्षों में इसके घटकर 2.9 प्रतिशत तक आने का अनुमान है, जो वित्तीय अनुशासन की ओर इशारा करता है, लेकिन यह सुधार नए और बड़े खर्चों के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं छोड़ता।

राज्य की वित्तीय स्थिति में सबसे चिंताजनक पहलू कुल कर्ज का स्तर है, जो जीएसडीपी का लगभग 38 प्रतिशत बना हुआ है। यह उच्च स्तर दर्शाता है कि राज्य अपनी जरूरतों के लिए उधारी पर बहुत अधिक निर्भर है। इसके अलावा, राज्यों की अपनी कर आय उनकी कुल राजस्व प्राप्तियों का केवल 41 प्रतिशत ही है। यानी आधे से भी अधिक राजस्व के लिए केंद्र पर निर्भरता बनी हुई है। वर्तमान खर्च के ढांचे को देखें तो बजट का बड़ा हिस्सा राजस्व व्यय (वेतन, पेंशन और सब्सिडी) में चला जाता है, जबकि विकास कार्यों के लिए पूंजीगत व्यय केवल 4 प्रतिशत तक सीमित है। नई सरकार के सामने अब यह बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने लोक-कल्याणकारी वादों को पूरा करने के साथ-साथ विकास परियोजनाओं के लिए धन कैसे जुटाती है। वेतन संशोधन और नकद सहायता योजनाओं के लागू होने से विकास कार्यों के लिए वित्तीय जगह और भी कम हो सकती है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार वित्तीय अनुशासन और जन-आकांक्षाओं के बीच कैसे तालमेल बिठाती है।

एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर : रफ्तार देने के लिए नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा डॉग कैचिंग और स्टेरिलाइजेशन के अभियान को गति देने के लिए टीम से बैठक की गई, जिसमें शहर में चल रहे अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। गाजियाबाद नगर निगम की टीम वार्ड वार अभियान चला रही है। श्वान को पकड़ कर वैक्सीनेशन का कार्य और स्टेरिलाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। कई बार देखा गया टीम का सहयोग सोसायटी में नहीं किया जा रहा है और विवाद की स्थिति भी पैदा हुई। संबंधित सभी टीम को आईडी कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। मौके पर उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉक्टर अनुज, मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ आशीष त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। शहर में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर के माध्यम से श्वान का स्टेरिलाइजेशन किया जा रहा है, जिसके लिए डॉग कैचिंग का कार्य भी तेजी से चल रहा है। संबंधित टीम फ्रेंडीकोज को कार्य में गति लाने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिए गए अधिकारियों को भी मॉनिटरिंग प्रबल करने के लिए कहा गया। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा

लगभग 48000 से अधिक श्वान बाध्यकरण किया जा चुका है। चल रहे अभियान में सहयोग करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा शहर वासियों से भी अपील की गई, जिनके पास गाजियाबाद नगर निगम का आई कार्ड उपलब्ध है उनको आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, पार्षद सहयोग करें। डॉग रजिस्ट्रेशन, स्टेरिलाइजेशन हुए वैक्सीनेशन के लिए टीम घर-घर जाकर कार्य कर रही है। शहर वासियों से भी सहयोग करने की अपील नगर आयोग द्वारा की गई है।बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, जनपद न्यायाधीश ने प्रचार रैली को दिखाई हरी झंडी

शामली। (शिखर समाचार) आगामी 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय शामली स्थित कैराना में किया जाएगा। इसको सफल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जनपद में प्रचार प्रसार के लिए वाहनों की रैली निकाली गई।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए बुधवार सुबह लगभग साढ़े 11 बजे जनपद न्यायालय परिसर से प्रचार रैली को रवाना किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश इंद्रप्रीत सिंह जोश ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक लोग अपने वादों का निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर कराएं और लोक अदालत का लाभ उठाएं। जनपद न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित वादों का शीघ्र, सरल

और आपसी सहमति से समाधान कराना है। इस बार जनपद में लगभग पौने दो लाख वादों को निस्तारण के लिए सूचीबद्ध किया गया है, जिनका समाधान लोक अदालत के माध्यम से कराया जाएगा।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय बृजेश कुमार शर्मा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र राय, ऋतु नागर, सिविल जज सीनियर डिवीजन आंचल कसाना, गोवर्धन पटेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अक्षयदीप यादव, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य तरुण मित्तल, आलोक चौहान, जावेद अली, बार एसोसिएशन अध्यक्ष इशपाल सिंह, महासचिव सर्वेज जंग सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

शामली। (शिखर समाचार) राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रख्यात किसान नेता चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से हवन पूजन के साथ हुआ, जिसमें क्षेत्र की सुख समृद्धि, किसानों के कल्याण तथा संगठन की उन्नति की कामना की गई।

हवन के उपरांत पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वाजिद अली ने कहा कि चौधरी अजीत सिंह का संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों और वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उनका संघर्ष, सादगी और दूरदर्शिता आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक ने कहा कि उनकी विचारधारा ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और उसी मार्गदर्शन में किसानों के सम्मान की लड़ाई को और मजबूती मिलेगी। सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने राजनीति

को जनसेवा का प्रभावी माध्यम बनाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का कार्य किया। थानाभवन विधायक अशरफ अली खान ने कहा कि चौधरी साहब ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा दिया, जो आज भी समाज को जोड़ने की प्रेरणा देता है। पूर्व विधायक राव वारिस ने कहा कि उन्होंने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाया और विकास को सही दिशा प्रदान की।

कार्यक्रम में योगेंद्र सिंह चेयरमैन सहित अनेक वक्ताओं ने उनके सरल व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर डॉ. विक्रांत जावला, सोहनपाल, सतबीर पंवार, बाबूराम पंवार, राजेंद्र वर्मा, देशराज भनेड़ा, विकास धीमान, विजय कौशिक, अरविंद झाल, रजनीश कोरी, ब्रजवीर अधिवक्ता, वेदपाल गहलोत, उमेश पंवार, अरविंद पंवार, विश्वप्रताप, सनोज चौधरी, ओमवीर सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीडीए का बड़ा एक्शन: लोनी में अवैध कालोनियों पर चला बुलडोजर, बिना नक्शे के बने 5 वेयरहाउस सील

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष के निदेर्शों पर अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को प्रवर्तन जोन-08 में बड़ी कार्रवाई की गई। जीडीए की टीम ने लोनी क्षेत्र में भारी विरोध के बावजूद न केवल एक बड़ी अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया, बल्कि बिना मानचित्र स्वीकृति के चल रहे 5 वेयरहाउसों को भी सीलबंद कर दिया।

12 हजार वर्ग मीटर की अवैध कॉलोनी जमींदोज

प्रवर्तन जोन-08 के प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने ग्राम खुदाबास हकीकतपुर (लोनी) के खसरा संख्या-244 पर धावा बोला। यहाँ ब्रजभान सिंह द्वारा लगभग 12,640 वर्ग मीटर के विशाल भूखंड पर बिना अनुमति के सड़क निर्माण और चिनाई कर अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। प्राधिकरण के दस्ते ने बुलडोजर चलाकर निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

इन वेयरहाउसों पर जड़ा गया ताला

अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जीडीए ने रामपार्क एक्सटेंशन और आसपास के क्षेत्रों में 5 बड़े वेयरहाउसों को सील किया। इन सभी का निर्माण बिना नक्शा पास कराए किया गया था:

निशांतः विजडम वैली स्कूल के सामने, लगभग 1350 वर्ग मीटर।

पवन कुमारः खसरा संख्या-290, खुदाबास, लगभग 250 वर्ग मीटर।

हर्षित गुप्ता एवं पंकजः रामपार्क एक्सटेंशन, लगभग 540 वर्ग मीटर।

अनिल कुमार एवं पंकजः रामपार्क एक्सटेंशन, लगभग 190 वर्ग मीटर।

जमालुद्दीन एवं गुलफामः रामपार्क एक्सटेंशन, लगभग 270 वर्ग मीटर।

भारी विरोध के बीच कार्रवाई जारी

ध्वस्तीकरण और सीलिंग के दौरान निर्माणकताओं और उनके समर्थकों ने टीम का जमकर विरोध किया और काम रोकने की कोशिश की। हालांकि,

प्राधिकरण के पुलिस बल और क्षेत्रीय पुलिस की मौजूदगी के कारण स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

अभियान रहेगा जारी

जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रवर्तन जोन-08 का समस्त स्टाफ और पुलिस दस्ता मुस्तैद है। आने वाले महीनों में भी अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए बनाई गई कॉलोनियों के खिलाफ इसी तरह का अभियान जारी रहेगा। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध कॉलोनी में भूखंड खरीदने से पहले जीडीए से उसकी वैधता की जांच जरूर कर लें।

क्रॉसिंग क्षेत्र में दिनदहाड़े हथियार के बल पर हुई कैश वैन की लूट, जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद में बदमाश पूरी तरह से बेखौफ हो चुके है और दिनदहाड़े लूट की वारदात का अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र का है, जहां एटीएम में कैश डालने गई वैन को बदमाशों ने अपना निशाना बनाया। बदमाशों ने चालक को अकेला पाकर उसे हथियार दिखाते हुए कैश वैन को लूट लिया। बदमाश वैन को लूट कर फरार हो गए और उसके बाद उसे थाना मसूरी क्षेत्र में छोड़ दिया। लूट की सूचना मिलने ही पूरे जिले की पुलिस हरकत में आ गई और बदमाशों की गिरफ़्तारी करने के लिए सब जगह नाकाबंदी कर दी गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना मसूरी क्षेत्र में बदमाश लूटी हुई वैन को छोड़ गए हैं, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने वैन को रिकवर किया। वही वैन से कितना पैसा गायब है, इसकी जाँच इस समय चल रही है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि वैन एटीएम में कैश जमा करने के लिए पहुंची थी। इस दौरान ड्राइवर को अकेला पाकर बदमाशों ने हथियार दिखाकर वैन लूट ली। लूट की सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और वैन को बरामद करने के लिए सब जगह नाकाबंदी कर दी गई थी। बदमाश मसूरी थाना क्षेत्र में वैन को छोड़कर फरार हो गए है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। जल्दी ही घटना का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन की समीक्षा बैठक आयोजित

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से महिलाओं एवं नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर गंभीरता से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित योजनाओं के तहत पीड़ितों को समयबद्ध तरीके से लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पास्को एक्ट के अंतर्गत दर्ज मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों को शीघ्र सजा दिलाने पर जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए सुनियोजित रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने

कहा कि अभियोजन कार्यों को मजबूत बनाकर दोषियों को सजा दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना तथा अभियोजन प्रणाली में सुधार लाना रहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार, सभी उपजिलाधिकारी, सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने किया नवनियुक्त डीएम का अभिनंदन, विकास को मिलेगी नई दिशा

हापुड़ (शिखर समाचार)। व्यापारी सुरक्षा फोरम के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिलाधिकारी कविता मीना के कार्यभार संभालने पर उनका अभिनंदन करते हुए शुभकामनाएं दीं और सफल कार्यकाल की कामना की।

फोरम के जिलाध्यक्ष अरुण गर्ग, महामंत्री पंकज अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने जिलाधिकारी का स्वागत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष दीपक गोयल ने कहा कि किसी भी शहर का विकास प्रशासन की सोच और व्यापारियों के सहयोग पर निर्भर करता है। हापुड़ के व्यापारी हमेशा विकास कार्यों में प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं और आगे भी पूर्ण सहयोग देंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि जिलाधिकारी कविता मीना के

मार्गदर्शन में हापुड़ जिला विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। दीपक गोयल ने जिलाधिकारी की कार्यशैली, मेहनत और निष्ठा की सराहना करते हुए इसे जिले के लिए प्रेरणादायक बताया। साथ ही उन्होंने गोमाता के प्रति जिलाधिकारी की आस्था के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेगा और विकास कार्यों में सभी को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा। कार्यक्रम में सन्नी जैन, उदय कंसल, गौरव गोयल सहित अन्य व्यापारी भी उपस्थित रहे।

चार पहिया वाहन चोरी करने वाले एक अभियुक्त को विजयनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना विजयनगर पुलिस ने चार पहिया वाहन चोरी करने वाले 1 अभियुक्त इमरान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चोरी की एक गाड़ी बरामद की है। खास बात यह है कि यह अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में चोरी के वाहनों से रैकी करके चार पहिया वाहन चोरी किया करते थे। एसीपी कोतवाली उपासना पाण्डेय ने बताया कि बीती 8 अप्रैल 2026 को अनिल कुमार सिंह ने प्रताप विहार से अपनी गाड़ी चोरी हो जाने के संबंध में थाना विजयनगर पर मुकदमा दर्ज करवाया था। घटना का खुलासा करने के लिए टीमों का गठन किया गया था। सीएचएस स्कूल के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध गाड़ी आई हुई दिखाई दी। गाड़ी को रोक कर जब गाड़ी चालक से पूछताछ की गई तो उसकी पहचान इमरान के रूप में हुई, जिसने वह गाड़ी कुछ समय पूर्व थाना विजयनगर क्षेत्र के प्रताप विहार से चोरी की थी। उन्होंने बताया कि विभिन्न जनपदों में इमरान के खिलाफ 18 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इमरान के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूछताछ में इमरान ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की गाड़ी से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में रैकी करता है। रैकी करने के बाद मौका मिलते ही चार पहिया वाहन को चोरी कर लेता है। उसके पास से बरामद वहान भी उसने प्रताप विहार क्षेत्र से चोरी किया था।

नगीनाः डेढ़ करोड़ से संवरेगा प्राचीन काली व दुर्गा मंदिर, धर्म प्रेमियों में उत्साह

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नेशनल हाईवे-74 स्थित रामलीला बाग में स्थित ऐतिहासिक माता महाकाली एवं दुर्गा माता मंदिर के कायाकल्प की तैयारी पूरी हो गई है। पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से मंदिर का व्यापक सौंदर्यकरण कराया जाएगा। इस घोषणा से क्षेत्र के श्रद्धालुओं और धर्म प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मंदिर समिति के प्रबंधक आलोक अग्रवाल और अध्यक्ष सलिल अग्रवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर की

भव्यता को बढ़ाने और प्रतिमाओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विशेष निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। योजना के तहत माता दुर्गा एवं शिव प्रतिमा के ऊपर 12 फीट चौड़ी और 25 फीट ऊंची छत का निर्माण किया जाएगा, जबकि माता काली की प्रतिमा के ऊपर 30 फीट ऊंची और 12 फीट चौड़ी संरचना तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा 25 लाख रुपये की लागत से 25७50 फीट का एक विशाल हॉल भी बनाया जाएगा। इस हॉल में भंडारण कक्ष और शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ठहरने में सुविधा मिलेगी। सौंदर्यकरण योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर में स्थित चार मठों पर आकर्षक शिखरों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही परिसर के खाली स्थानों पर आधुनिक और रंग-बिरंगी टाइल्स बिछाई जाएंगी, जिससे परिसर की सुंदरता में और निखार आएगा। मंदिर समिति के पदाधिकारियों का मानना है कि इस जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने के बाद मंदिर की भव्यता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और यहां आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या में भी बड़ा इजाफा देखने को मिलेगा।

कथित पालिका बकायेदार जमील अहमद अंसारी को भेजा गया जेल

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे में मंगलवार को हुआ कूड़ा प्रकरण कांग्रेस नेता जमील अहमद अंसारी पर भारी पड़ गया। पूरे दिन चले घटनाक्रम और जद्दोजहद के बाद आखिरकार उन्हें जेल जाना पड़ा। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उनके खिलाफ कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने, अपशब्दों का प्रयोग करने समेत अन्य आरोपों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मंगलवार देर शाम मुकदमा दर्ज किया। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी रूपाली रॉय ने दोपहर में ही कार्रवाई के संकेत दे दिए थे, हालांकि अधिकृत पुष्टि देर शाम को सामने आई। जानकारी के अनुसार, बीते सोमवार को नगर पालिका कर्मी बकाया वसूली के संबंध में मोहल्ला मिट्ठूलाल निवासी कांग्रेस नेता जमील अहमद अंसारी को नोटिस देने पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान उनके साथ अभद्रता की गई, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। मंगलवार को इस प्रकरण ने बड़ा रूप ले लिया और पालिका के सफाई कर्मियों ने इसे अपनी अस्मिता से जोड़ते हुए विरोध जताया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल के अनुसार, आरोपी जमील अहमद अंसारी पुत्र रहमत इलाही के खिलाफ बीएनएस की धारा 224, 352 और 351(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के लिए उप निरीक्षक अनिल कुमार तोमर के नेतृत्व में टीम गठित की गई, जिसमें सिपाही सतीश कुमार और पुनीत कुमार को शामिल किया गया। पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मोदीनगर में भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारी ने अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में नेता पर की कार्रवाई की मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष ने मोबाइल फोन पर अश्लील संदेश भेजने के आरोप में भाजपा के ही एक नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अन्य पार्टी नेताओं के साथ कोतवाली में हंगामा किया और पुलिस को शिकायत दी।

नगर के एक स्थान पर रहने वाली महिला, जो भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष हैं, बुधवार को अन्य भाजपा नेताओं के साथ कोतवाली पहुंचीं। वहां उन्होंने विरोध जताते हुए पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। महिला का आरोप है कि भाजपा के एक जिला उपाध्यक्ष ने बीती रात उनके मोबाइल फोन पर लगातार अश्लील संदेश भेजे। मना करने के बावजूद भी आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, जिसके बाद महिला को उसका नंबर ब्लॉक करना पड़ा।

पीड़िता ने इस घटना की जानकारी पार्टी के अन्य नेताओं को दी, जिसके बाद सभी एकत्र होकर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी। पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की गहन जांच की जाएगी और जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

लोगों को नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया

माछरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माछरा पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत ओरल हेल्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डॉ. तरुण राजपूत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। संचालन राजन भिवानिया ने किया ।डॉ. अभिषेक जैन ने दंत रोगों से बचाव एवं ओरल हेल्थ के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वस्थ दांत और मुंह का स्वास्थ्य पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अवश्य करानी चाहिए। डॉ. मनीष वर्मा द्वारा स्क्रीनिंग के महत्व पर प्रकाश डाला गया और लोगों को नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही डॉ. प्रीति शर्मा ने महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं हाथ धोने के सही तरीकों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम को रोचक एवं जागरूकतापूर्ण बनाने के लिए अरविंद द्वारा मैजिक शो प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से उपस्थित लाभार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में गौरव, राजन भिवानिया सहित स्टाफ का सहयोग रहा। इस प्रकार के कार्यक्रम आमजन में ओरल हेल्थ एवं समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होंगे।

पूर्वांचल में मौसम का कहर: आंधी-बारिश के बीच बिजली और दीवार गिरी

वाराणसी। बारिश-आंधी के बीच बिजली और दीवार गिरने से सोमवार को पूर्वांचल में दंपती सहित पांच लोगों की मौत हो गई। बलिया के सुखपुरा थाना क्षेत्र के वन बिहार मार्ग पर आंधी के दौरान झोपड़ी की कच्ची दीवार गिर पड़ी और उसके मलबे में दबकर चांदनी (13) की मौत हो गई। इसी तरह गाजीपुर के करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के ज्ञानपुर गांव में ट्यूबवेल की झोपड़ी में बैठे दंपती सुकर राजभर (45) और शिवकुमारी देवी (42) की बिजली गिरने से मौत हो गई। दंपती के बेटे सहित तीन लोग झुलस गए। गाजीपुर के ही गहमर कोतवाली क्षेत्र के उत्तर टोला कुशवाहा बस्ती में दीवार गिरने से हरिचरण कुशवाहा (58) की मौत हो गई। दूसरी तरफ, सोनभद्र के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के टेढ़ा गांव में बिजली गिरने से किसान धनधारी यादव (62) की मौत हो गई। वह घर से करीब एक किलोमीटर दूर पशुओं को चराने गए थे।

चंपदानी विधानसभा सीट से चुनाव जीते भदोही के दिलीप

भदोही। भदोही के कटका निवासी दिलीप सिंह भी पश्चिम बंगाल की चंपदानी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक चुने गए हैं। वह रामलीला में लक्ष्मण का किरदार निभाते थे लेकिन 1995 में पश्चिम बंगाल गए। वहां पर रेडीमेड गारमेंट का बिजनेस शुरू किया। कारोबार के दौरान वह गांव आते-जाते रहे हैं। उनकी जीत का अंतर 179 वोट है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट से मैदान में उतरे थे, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। भदोही के बाबूसराय से सटे कटका गांव निवासी दिलीप सिंह बाबूसराय रामलीला समिति के बैनर तले होने वाली रामलीला में लक्ष्मण बनते थे और अभिनय का लोहा मनवाते थे। 1988 से 1995 तक वह लक्ष्मण का किरदार निभाते रहे। वर्ष 2021 में उन्होंने चंपदानी सीट से भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी अरिंदम गुइन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस बार भाजपा की टिकट पर तृणमूल कांग्रेस के विधायक अरिंदम गुइन को 179 वोट से हरा दिया। उनकी जीत के बाद गांव और बाजार में खुशी का माहौल है। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। दिलीप सिंह पांच बहन और दो भाइयों में छठवें नंबर पर हैं। कटका में उनके भाई राजू सिंह गले और हाथ के गंडे का बिजनेस करते हैं। अपने भाई के चुनाव प्रचार के लिए वे बीते 10 दिनों से पश्चिम बंगाल गए हुए हैं।

प्लेटफॉर्म नौ के पास वाहनों के लिए लगाएं बैरिकेडिंग

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल ने सोमवार को गोरखपुर जं. स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-9 पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। सभी प्लेटफॉर्म पर वाटर बूथ बढ़ाने और प्लेटफॉर्म संख्या-9 के पूर्वी एवं पश्चिमी छोर पर वाहनों के प्रवेश के लिए लगे बैरिकेडिंग को प्लेटफॉर्म के निकट करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर महाप्रबंधक प्लेटफॉर्म संख्या-9 पर गए। वहां प्रवेश द्वार के समीप रिक्त स्थान को समतल कर पौधारोपण करके व उन्हें ट्री गार्ड से सुरक्षित करने को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने बड़े पेड़ों को रंग कर सौंदर्यीकरण करने का सुझाव दिया। यात्री सुविधाओं- कैब-वे, पार्किंग स्थल, पेय जल तथा पे एंड यूज प्रसाधन का अवलोकन किया। उन्होंने टॉयलेट की सफाई और ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने का कहा। अधिकारियों से कहा कि रेलकर्मियों के वाहनों के पार्किंग के लिए बनाए गए पार्किंग स्थल में शेड लगाएं। इस अवसर पर लखनऊ के डीआरएम गौरव अग्रवाल, एडीआरएम, परिचालन नीतू, मुख्यालय एवं लखनऊ मंडल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कथा वाचक की गुहार- भाई साहब बचा लो

सड़क पर बिखरे पड़े थे आठ शव, बेबस खड़ी रही रेस्क्यू टीम

कानपुर, एजेंसी। उरई में कालपी कोतवाली क्षेत्र के चौरासी गुंबद के पास हुए भीषण सड़क हादसे के बाद का मंजर दिल दहला देने वाला था। अयोध्या से लौट रही कार तेज रफ्तार ट्रक में पीछे से जा घुसी, जिससे कार सवार लोग बुरी तरह कार में फंस गए थे। हादसे के बाद कथा वाचक मनोज भोडेले ही बोल पा रहे थे। वह लगातार मदद की गुहार लगाते हुए कहते रहे- भाई साहब बचा लो, लेकिन हालात इतने गंभीर थे कि पुलिसकर्मी और अन्य लोग चाहकर भी उन्हें बचा नहीं सके।

हादसे के कुछ ही मिनटों में पीआरवी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कार में फंसे घायलों को निकालने के लिए जवान लगातार प्रयास करते रहे। इस दौरान वे घायलों को हिलाकर-डुलाकर और आवाज देकर उनकी स्थिति जानने की कोशिश करते रहे, लेकिन कोई भी स्पष्ट रूप से जवाब देने की स्थिति में नहीं था। घायलों की हालत बेहद गंभीर थी। कई लोग लहूलुहान हालत में सिर्फ कराह रहे थे, जबकि कुछ पूरी तरह शांत हो चुके थे।

चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल था : घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोग भी यह भयावह दृश्य देखकर सहम गए और बेबस नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल था। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह घायलों को बाहर निकाला और तुरंत उरई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। इस भीषण हादसे में कुल आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायलों का इलाज जारी है। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

चाचा बचा लो...गुहार लगाता रहा शिवानंद, टूट गई जिंदगी की लड़ी : कालपी क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों को उजाड़ दिया। हादसे के बाद कार में फंसा दीपक उर्फ शिवानंद जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा था। वह बार-बार अपने चाचा स्वामी प्रसाद को आवाज देता रहा, चाचा बचा लो. उसकी आवाज में दर्द, डर और जीने की आखिरी उम्मीद साफ झलक रही थी, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि जिस चाचा को वह पुकार रहा है, वे पहले ही दम तोड़ चुके थे।

हर पल के साथ सांसें कमजोर होती जा रही थीं : कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और अंदर फंसे लोग तड़प रहे थे। शिवानंद की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी, फिर भी वह मदद की गुहार लगाता रहा। मौके पर मौजूद लोग और पुलिस उसे निकालने की कोशिश में जुटे थे, लेकिन हर पल के साथ उसकी सांसें कमजोर होती जा रही थीं। आखिरकार बेबसी और दर्द के बीच जिंदगी की नड़ी टूट गई और उसकी आखिरी पुकार वहीं खामोश हो गई।

लोगों के दिलों में जिंदा रहेगा दर्दनाक हादसा : यह मंजर देख मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। हादसे ने रिश्तों की उस पीड़ा को उजागर कर दिया, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। एक ही परिवार के कई लोगों की मौत ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया और यह दर्दनाक हादसा लंबे समय तक लोगों के दिलों में जिंदा रहेगा।

साढ़े 14 फीट की टवेरा कार 10 फीट में सिमटी : हादसे की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। करीब साढ़े 14 फीट लंबी टवेरा कार सिमटकर महज 10 फीट रह गई। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और कई लोग कार के अंदर ही बुरी तरह फंस गए। घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर क्रेन और गैस कटर से रेक्सयू कर बाहर निकाला गया।

अयोध्या में सरयू तट पर की थी फोटोग्राफी : आचार्य मनोज भोडेले की अगुवाई में अयोध्या के दर्शनार्थियों ने रविवार को खंडित प्रतिमा को सरयू मे विसर्जित कर जमकर फोटोग्राफी की थी। इसमें सात लोग एक साथ मौजूद हैं। फोटो को रात में अंशुल तिवारी ने अपनी फेसबुक में डाला था।

मौके पर मिला है डंपर का टूटा बंपर, दो साल पहले खरीदी थी कार : भले ही हादसा होते किसी ने न देखा हो पर मौके पर मिले डंपर के बंपर के टुकड़े के कारण अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसी से हादसा हुआ है। दुर्घटना का शिकार हुई टवेरा शशिकांत तिवारी चला रहा था। परिजनों ने बताया कि कार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से दो साल पहले खरीदा गया था। कागज अभी तक ट्रांसफर नहीं कराए थे।

310 किमी सफर के बाद बुंदेलखंड में हादसा : कार सवार अयोध्या से लगभग 310 किलोमीटर की दूरी तय कर बुंदेलखंड क्षेत्र में पहुंचे थे और लगातार अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन जैसे ही कार ने बुंदेलखंड की सीमा में प्रवेश किया, कालपी क्षेत्र के चौरासी गुंबद के पास कार हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि उन्हें आगे ललितपुर जिले के महरौनी तक लगभग 225 किलोमीटर का सफर और तय करना था, लेकिन मंजिल से पहले ही यह दर्दनाक हादसा हो गया।

सोमवार की सुबह 5:45 मिनट पर कालपी के चौरासी गुंबद के पास टवेरा कार का हादसा हुआ। तो जहां एक ओर नींद से जाग रहे थे।

एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर दादरी रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर रूपवास बाईपास ओवर ब्रिज के समीप एक दर्दनाक हादसे में लगभग 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जीआरपी चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार के अनुसार, 5 अप्रैल की रात्रि में मगध एक्सप्रेस दिल्ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान रेलवे लाइन के किलोमीटर संख्या 1416 पर रूपवास बाईपास ओवर ब्रिज के पास एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में व्यक्ति के सिर के पीछे गंभीर चोट आई, जबकि बाएं पैर की जांघ और घुटना बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतक की जेब से कोई रेलवे टिकट या पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुए हैं। आसपास के लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की पहचान कराने के प्रयास जारी हैं।

स्कूलों के पास ट्रैफिक जाम पर हाईकोर्ट सख्त

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के स्कूलों के पास ट्रैफिक जाम होने पर नाराजगी व्यक्त कर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पहले के आदेशों का पालन न होने पर संबंधित अफसरों समेत स्कूलों को कड़ी फटकार लगाई है । कोर्ट ने कहा कि इस समस्या के समाधान को न तो सरकारी अधिकारी गंभीरता से ले रहे हैं और न ही स्कूलों के प्रबंधन ने इसमें रुचि दिखाई है। यह भी टिप्पणी की कि पिछले आदेश के बाद भी स्थिति में कोई खास सुधार नहीं दिख रहा है।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि इस मुद्दे पर हुई पिछली बैठक को अधिकारियों और स्कूलों दोनों ने गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने यह भी बताया कि कई सक्षम अधिकारी बैठक में अनुपस्थित थे, जबकि स्कूलों की ओर से ऐसे प्रतिनिधि आए थे जो निर्णय लेने की स्थिति में नहीं थे। इस पर न्यायालय ने असंतोष व्यक्त किया।

अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह स्कूलों को उनके आसपास के यातायात प्रबंधन के लिए जिम्मेदार बनाने हेतु कुछ दिशानिर्देश तैयार करने के राज्य के प्रस्ताव को सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ लखनऊ के विभिन्न स्कूलों में भी प्रसारित करे। जिससे कि सभी स्कूलों के लिए प्रस्तावित दिशानिर्देशों को वे पढ़कर अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकेंगे। इससे इन दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देते समय उनपर विचार करके अनुमोदित किया जा सकेगा।

सुनवाई के दौरान न्यायालय के संज्ञान में आया कि ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए प्रशिक्षित किए गए मार्शलों की अधिकांश स्कूलों में ठीक से तैनाती नहीं की गई है, जिससे स्थिति में कोई ठोस बदलाव नहीं आया है। ओर ने कहा कि पर्याप्त समय देने के बाद भी सुधार न होना अधिकारियों और संबंधित पक्षों की उदासीनता को दर्शाता है।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजवराज सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश गोमती रिवर बैंक रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर जनहित याचिका पर दिया। इसमें प्रदेश के स्कूलों की सुरक्षा समेत राजधानी के स्कूलों के पास ट्रैफिक समस्या का मुद्दा उठाया गया है।

इससे पहले, अदालत ने लखनऊ के कई स्कूलों के खुलने और बंद होने के समय के दौरान यातायात जाम पर चिंता व्यक्त की थी और राज्य के अधिकारियों को सुधारात्मक उपाय करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई

सीएम योगी के दौरे को लेकर शहर में रूट डायवर्जन, गोदौलिया-मैदागिन नो व्हीकल जोन

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दो दिवसीय दौरे को देखते हुए यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन जारी किया है। 5 और 6 मई को मुख्यमंत्री के आगमन और प्रस्थान के समय यातायात जीरो किया जाएगा। गोदौलिया चौराहा से वीवीआईपी के आगमन व प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को मैदागिन चौराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। नो व्हीकल जोन रहेगा।

एडीसीपी यातायात अंशुमान मिश्रा ने बताया कि 5 मई को तिराहा से वीवीआईपी के आगमन से 3 घंटे पूर्व टेम्पो ट्रैवलर, आर्मेनिया बसें, क्रूजर आदि वाहनों को लहुराबीर, मैदागिन की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को लकड़ीमंडी की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। विशेश्वरगंज तिराहा से वीवीआईपी के आगमन से 1 घंटे पूर्व चार पहिया वाहनों को मैदागिन की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन्हें गोलगड्डा तिराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।

मरीमाई तिराहा से वीवीआईपी के आगमन व प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को तेलियाबाग तिराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। मलदहिया चौराहा से वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान जयसिंह चौराहा व लहुराबीर चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। पिशाचमोचन तिराहा (काशी अनाथालय के पास) से भी लहुराबीर की ओर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। चेतगंज से भी वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान लहुराबीर की ओर वाहनों को नहीं जाने दिया जाएगा।

छह मई को रूट डायवर्जन : वीवीआईपी के आगमन व प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को जेपी मेहता से भोजूबीर की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। गिलट बाजार से भोजूबीर सब्जी मंडी तिराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। सिंधौरा अंडरपास एवं टीएफसी से किसी भी प्रकार के वाहन को भोजूबीर सब्जी मंडी की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। गिलट बाजार से भोजूबीर की ओर भी वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। महावीर मंदिर चौराहा से सब्जी मंडी तिराहा की तरफ भी वाहन नहीं जाने दिए जाएंगे।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का शातिर सदस्य गिरफ्तार, चोरी की 14 मोटरसाइकिलें बरामद, दो साथी फरार

कैराना/शामली (शिखर समाचार) कैराना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी की 14 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। वहीं गिरोह के दो अन्य सदस्य फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

बुधवार को कैराना कोतवाली में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर भूरा बराला रोड स्थित एक बंद पड़ी फैक्टरी से 13 अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम नदीम पुत्र अय्यूब निवासी ग्राम लिलौन जनपद शामली बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथियों सारिक पुत्र जरीफ उर्फ जीफा निवासी कैराना तथा परवेज उर्फ फौजी पुत्र याकूब निवासी ग्राम कुरड़ी थाना छपरौली जनपद बागपत के साथ मिलकर वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह गिरोह दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में सक्रिय था। गिरोह के सदस्य एक राज्य में कुछ समय तक मोटरसाइकिल चोरी करते और फिर स्थान बदलकर दूसरे राज्य में वारदात को अंजाम देते थे, जिससे पुलिस के लिए इन्हें पकड़ना कठिन हो जाता था।

बरामद की गई सभी मोटरसाइकिलें दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से चोरी की गई हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

इस दौरान कोतवाली प्रभारी समयपाल अत्री सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ट्रिपिलिंग कर 100 की रफ्तार से दौड़ाई बाइक, आपस में टकराईं दो बाइकें और बिछ गईं लाशें

कानपुर, एजेंसी। महोबा जिले में बेलाताल-कुलपहाड़ मार्ग पर मिशन स्कूल के पास सोमवार की शाम करीब सात बजे दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हेलमेट न लगाए होने से उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। वहीं तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना का कारण रफ्तार व नियमों की अनदेखी बताई जा रही है। कोतवाली कुलपहाड़ के सुगिरा गांव निवासी उमेश (27) भाई साजन (25) व चाचा बाबू वाल्मीकि (40) के साथ बाइक से भांजे संदीप के मंडप कार्यक्रम में शामिल होने कस्बा बेलाताल जा रहे थे। मिशन स्कूल कुलपहाड़ के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से भिड़ंत हो गई। आसपास के लोगों के अनुसार बाइकों की रफ्तार करीब 90 से 100 किमी प्रतिघंटा थी।

घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया : तेज आवाज के साथ दोनों बाइकों में सवार छह लोग सड़क पर गिर गए। सूचना पर पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी कुलपहाड़ पहुंचाया, जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उमेश की मौत हो गई जबकि दूसरी बाइक में सवार रामपाल (55) निवासी नैगुवां छतरपुर, उसके साढ़ू भाई बलदाऊ (30) निवासी गुढ़ा, अजनर ने दम तोड़ दिया।

तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे थे : वहीं रामपाल का बेटा चंद्रभान (25), साजन व बाबू का इलाज चल रहा है। दूसरी बाइक सवार तीनों लोग रिश्तेदारी में आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने कस्बा खरेला जा रहे थे। कोतवाल विनोद कुमार ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया है। दुर्घटना की जांच व आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तीन लोगों की मौत से शादी घरों में चल रहीं खुशियां मातम में बदलीं : कुलपहाड़-बेलाताल मार्ग पर दो बाइकों की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत होने की घटना के बाद शादी घरों में चल रहीं खुशियां मातम में बदल गईं। एक बाइक में सवार लोग तिलक समारोह तो दूसरे बाइक सवार रिश्तेदारी में आयोजित मंडप कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही मौत की खबर शादी घरों में पहुंची तो खुशियां मातम में बदल गईं।

किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही से हादसा हुआ। दोनों बाइकों में तीन-तीन लोग सवार थे। किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। दोनों बाइक सवार साइड में न चलकर बीच सड़क में चल रहे थे, इससे हादसा हुआ और तीन लोगों की जान चली गई। सुगिरा निवासी उमेश भाई व चाचा के साथ मंडप कार्यक्रम में चीकट लेकर कस्बा बेलाताल जा रहा था।

हर कोई मृतकों के परिजनों को ढांढ़स बंधाते नजर आया : हादसे में उमेश की मौत होने पर मंडप कार्यक्रम की रश्में रोक दी गईं और परिजन व रिश्तेदार जिला अस्पताल पहुंच गए। वहीं दूसरी बाइक में सवार रामपाल और उसके साढ़ू बलदाऊ की मौत की सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजनों में रोना-पीटना मचा रहा। हर कोई मृतकों के परिजनों को ढांढ़स बंधाते नजर आया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 6 वर्षीय बच्ची की मौत, चालक हिरासत में

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे के ईदगाह रोड पर मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसे में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

मोहल्ला ईदगाह रोड निवासी फारुख, जो कबाड़ा एकत्र कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है, की इकलौती बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान मोहल्ला सालियान का एक युवक अपने साथी के साथ तेज गति से बाइक चलाते हुए वहां से गुजरा और बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्ची मौके पर ही बेहोश हो गई।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने बाइक सवार को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। परिजन आनन-फानन में बच्ची को नजदीकी निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि परिवार ने बच्ची का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। वहीं परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा में चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को नई दिशा, उत्तर प्रदेश सरकार और जापान के संगठन के बीच समझौता

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा में 6 मई को उत्तर प्रदेश सरकार और जापान के प्रमुख संगठन मेडिकल एक्सीलेंस जापान के बीच चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को विकसित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते में प्रदेश सरकार का प्रतिनिधित्व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा किया गया। इस पहल को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।समझौते के तहत दोनों पक्ष चिकित्सा उपकरण निर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। यमुना प्राधिकरण द्वारा आवश्यक आधारभूत संरचना, भूमि आवंटन, बिजली-पानी जैसी सुविधाएं, नियामकीय सहयोग और निवेशकों को प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। वहीं जापानी संगठन तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराएगा, जापानी कंपनियों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा तथा अनुसंधान और ज्ञान के आदान प्रदान में सहयोग देगा। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को गति देना, यमुना प्राधिकरण के मेडिकल डिवाइस पार्क को जापानी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना, तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना और नवाचार आधारित नवउद्यमों को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत संयुक्त शोध परियोजनाएं संचालित की जाएंगी, तकनीकी जानकारी साझा की जाएगी और आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी। निवेश को बढ़ावा देने के लिए संगोष्ठी,

कार्यशाला और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के आदान प्रदान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही भारतीय और जापानी कंपनियों के बीच तकनीकी समझौते कराए जाएंगे, नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाएगा और निर्माण की उच्च गुणवत्ता वाली प्रक्रियाओं को अपनाने पर बल दिया जाएगा। नवउद्यमों को बढ़ावा देने के लिए इनक्यूबेशन केंद्र, वित्तीय सहायता कार्यक्रम, हैकाथॉन और नवाचार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा जापानी उद्योग विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे नए उद्यमों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने में सहायता मिलेगी। समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया जाएगा, जो 30 दिनों के भीतर तैयार होगा और 60 दिनों में विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करेगा। यह समूह सभी गतिविधियों की निगरानी करेगा और पारस्परिक सहमति से निर्णय सुनिश्चित करेगा।

समझौते में गोपनीयता के प्रावधानों का भी विशेष ध्यान रखा गया है, जिसके तहत साझा की गई सूचनाओं को सुरक्षित रखा जाएगा और बिना अनुमति किसी तीसरे पक्ष को उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। यह गोपनीयता समझौते की समाप्ति के बाद भी पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह समझौता 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर दोनों पक्ष आपसी सहमति से इसमें संशोधन या विस्तार भी कर सकेंगे। यह पहल उत्तर प्रदेश को चिकित्सा उपकरण निर्माण के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है।

नागरिकों से जनगणना 2027 अभियान में सहभागिता का आह्वान

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी जसजीत कौर ने नागरिकों से जनगणना 2027 के महत्वपूर्ण अभियान में बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 7 मई 2026 से जनपद बिजनौर की सभी तहसीलों और 18 नगर निकायों में स्व गणना कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की जाएगी। इस अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता आवश्यक है।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में स्व गणना की तैयारियों की समीक्षा की गई, जिसमें प्रभारी जनगणना अधिकारी जेपी यादव, फील्ड ट्रेनर्स, चार्ज अधिकारी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने 7 से 21 मई 2026 तक चलने वाले स्व-गणना अभियान को सफल बनाने के लिए विस्तृत दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नागरिक री.ूल्ल२४२.ङ्क५.ल्ल पोर्टल पर जाकर मोबाइल ओटीपी के माध्यम से पंजीकरण कर अपने परिवार का विवरण, परिसंपत्तियों एवं आवासीय जानकारी दर्ज कर सकते हैं और अंत में सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर सीएससी एवं हेल्प डेस्क से भी सहायता ली जा सकती है।

अभियान के तहत तिथि अनुसार विभिन्न विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। 7 मई को राजस्व एवं प्रशासन दिवस, 8 मई को स्थानीय निकाय एवं कृषि दिवस, 9 मई को युवा, खेल एवं मीडिया दिवस, 10 मई को प्रतिष्ठित व्यक्तित्व दिवस, 11 मई को न्यायिक दिवस, 12 मई को वदीर्धारी बल दिवस, 13 मई को केंद्रीय कार्यालय दिवस, 14 मई को शिक्षा दिवस, 15 मई को स्वास्थ्य दिवस, 16 मई को उद्योग एवं परिवहन दिवस, 17 मई को महिला एवं स्वयं सहायता समूह दिवस, 18 मई को डिजिटल सहायता दिवस, 19 मई को वर्क फ्रॉम होम दिवस तथा 20 मई को प्राइड दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने अपने स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करें और प्रत्येक दिवस के कार्यक्रम को जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराएं। अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप एवं स्थानीय माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

याचिका समिति की समीक्षा बैठक में प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश विधान परिषद की याचिका समिति के सभापति अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में जनपद गौतमबुद्धनगर से संबंधित छह निर्धारित बिंदुओं की समीक्षा बैठक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी मेघा रूपम ने सभापति का पुष्पगुच्छ, शाल, स्मृति चिन्ह तथा एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत उत्पाद भेंट कर स्वागत किया। बैठक में सभापति के नेतृत्व में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण, जिला पंचायत तथा जिला पंचायती राज विभाग से जुड़ी प्राप्त याचिकाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सभापति ने कहा कि आमजन अपनी समस्याएं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सदन तक पहुंचाते हैं और उनके समाधान की जिम्मेदारी समिति के जरिए सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक याचिका का गंभीरता और प्राथमिकता के साथ त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि संबंधित पक्षों को समयबद्ध लाभ मिल सके। साथ ही निर्देशित किया कि निस्तारित प्रकरणों की सूचना तत्काल समिति को उपलब्ध कराई जाए, जिससे लंबित मामलों की सूची समय पर अद्यतन हो सके। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने आश्वासन दिया कि दिए गए निदेशों का पूर्ण रूप से पालन कराया जाएगा। बैठक में याचिका समिति के सदस्य ऋषि पाल अरोड़ा, चंद शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी, सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी, एडिशनल पुलिस आयुक्त अजय कुमार, नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव, मुख्य पंचायत अधिकारी प्रियंका चतुर्वेदी तथा खंड विकास अधिकारी दादरी नेहा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान, भाकियू प्रतिनिधिमंडल ने डीएम से की मुआवजे की मांग

शामली। (शिखर समाचार) बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी आलोक यादव से उनके कार्यालय में मिला और क्षेत्र में हुई बारिश व ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित किसानों की फसलों का शीघ्र सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग उठाई।

प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि मंगलवार को हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है, इसलिए प्रशासन को जल्द से जल्द वास्तविक स्थिति का आकलन कर राहत प्रदान करनी चाहिए।

जिलाधिकारी आलोक यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी ऊन को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर तीन दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि शासन स्तर पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में आशीष चौधरी, देशपाल सिंह, बूटा चौधरी, गौतम पंवार, कविता चौधरी, प्रभात मलिक, इंतजार प्रधान, बिल्लू राणा, विनय राठी, मुकम्मिल पहलवान, पुष्पेंद्र मान, निर्मल शर्मा, नवाब अली और राजीव सहित अन्य किसान नेता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जनगणना 2027 को लेकर तैयारियों की समीक्षा की, 7 मई से शुरू होगी स्व गणना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने 7 मई से 21 मई तक चलने वाले स्व गणना अभियान के सुचारु संचालन और व्यापक प्रचार प्रसार पर विशेष जोर दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गणमान्य व्यक्तियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्व-गणना कार्य में अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान करें तथा अपने विभागीय कर्मचारियों को भी इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करें।

जिलाधिकारी ने ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के निवासी कल्याण संघ (आरडब्ल्यूए) और आम नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और जनगणना 2027 में सहभागी बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। बैठक के दौरान प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसी भी अधिकारी की अनुपस्थिति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी और सभी को अपने दायित्वों का शत प्रतिशत पालन करना होगा। इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय से उप निदेशक अभिमन्यु सिंह ने स्व गणना प्रक्रिया के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण, यानी मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य उत्तर प्रदेश में 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस चरण से पहले 7 मई से 21 मई 2026 तक नागरिकों के लिए स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह एक स्वैच्छिक और अभिनव पहल है, जिसके तहत नागरिक स्वयं जनगणना पोर्टल (https://se.census.gov.in) पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। स्व गणना के लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इससे डेटा का त्वरित संकलन संभव होगा, जानकारी अधिक सटीक होगी, प्रगणकों की संभावित त्रुटियों में कमी आएगी और नागरिकों को सुविधाजनक माध्यम उपलब्ध होगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार हेतु जागरूकता वाहन रवाना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार प्रसार के उद्देश्य से जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में की गई है, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके। प्रचार वाहन के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व, उसकी प्रक्रिया और लाभों के बारे में जानकारी दी जाएगी, जिससे आमजन इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर अपर जिला जज प्रथम सुनील कुमार, अपर जिला जज द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) तथा नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा, अपर जिला जज एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कुमार गौरव, अपर जिला जज चतुर्थ मयूर जैन, अपर जिला जज पंचम आशीष कुमार चौरसिया, सिविल जज सीनियर डिवीजन बबीता पाठक, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम मयंक त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव शिवानी रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हापुड़ में बिक रही खतरनाक मिलावटी कचरी और सॉस, सेवन से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में कई स्थानों पर मिलावटी कचरी और सॉस खुलेआम बिक रही है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हापुड़। होली के दौरान लिए गए कचरी के नमूने जांच में असुरक्षित पाए गए हैं। वहीं, चंडी रोड स्थित दुकानों से लिया गया हिना टॉप सॉस ब्रांड का नमूना भी फेल हो गया है। दोनों मामलों में अब न्यायालय में वाद चलाया जाएगा। यह मिलावटी उत्पाद आसपास के कई जिलों में भी सप्लाई किए जा रहे थे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरपी गुप्ता के अनुसार, होली के मौके पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था। इसी दौरान गढ़ क्षेत्र की नाजिम कॉलोनी में राशिद के मकान में

संचालित एक अवैध इकाई पर छापा मारा गया। मौके पर भारी मात्रा में रंगीन कचरी तैयार मिलती पाई गई, जिसमें तय मानक से अधिक रंग का उपयोग किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान करीब 13 क्विंटल कचरी को सीज किया गया। जांच में पाया गया कि कचरी में कारमोसिन नामक प्रतिबंधित रंग मिलाया गया था, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इसके अलावा, जनवरी में चलाए गए एक अन्य अभियान के तहत चंडी रोड की दो दुकानों से हिना टॉप सॉस ब्रांड के नमूने लिए गए थे। जांच में इस सॉस में भी केमिकल रंगों का उपयोग पाया गया, जो मानकों के विरुद्ध है। बताया गया कि यह सॉस मेरठ जिले के धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में निर्मित होता है, जबकि इसके स्वामी मोहित जैन हैं, जो हापुड़ नगर के निवासी हैं। सहायक आयुक्त द्वितीय सुनील कुमार ने बताया कि दोनों मामलों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है और संबंधित आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा।

बिजनौर: धार्मिक स्थल में रह रहे दरोगा पर छेड़छाड़ का आरोप, मारपीट के बाद कार्रवाई पर उठे सवाल

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर क्षेत्र के एक धार्मिक स्थल परिसर में रह रहे पुलिस के एक दरोगा पर महिला से छेड़छाड़ का गंभीर आरोप सामने आया है। घटना के बाद दरोगा और महिला के परिजनों के बीच जमकर मारपीट हुई, जबकि पुलिस की कार्रवाई को लेकर पक्षपात के आरोप लग रहे हैं। जानकारी के अनुसार दरोगा ब्रह्मपाल गिरी पिछले करीब आठ महीनों से मोहल्ला क्षत्रिय नगर स्थित बाबा पानप दास समाधि स्थल परिसर के एक कमरे में रह रहा था। इसी परिसर में एक अन्य परिवार भी निवास करता है। पीड़ित महिला का आरोप है कि बीती रात दरोगा ड्यूटी से लौटकर आया और उसे अकेला पाकर अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध करने पर धक्का मुक्की की गई, जिससे उसके कपड़े भी फट गए। महिला की चीख पुकार सुनकर उसका पति उमेश और भाई राहुल मौके पर पहुंचे। आरोप है कि पत्नी के साथ

बदसलूकी देख दोनों आक्रोशित हो गए और दरोगा से उनकी कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर संघर्ष हुआ। मामले में पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि छेड़छाड़ के गंभीर आरोपों के बावजूद थाना धामपुर पुलिस ने दरोगा की तहरीर पर पहले कार्रवाई करते हुए महिला के पति और भाई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने उमेश और राहुल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उधर महिला पक्ष का कहना है कि उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर पुलिस अपने ही विभाग के कर्मचारी को बचाने में लगी है और एकतरफा कार्रवाई की गई है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि दरोगा के कमरे में घुसकर गाली गलौज और जानलेवा हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं में धर्म जागरूकता के उद्देश्य से निकलेगी हिन्दू सनातन एकता विशाल पदयात्रा

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बा जेवर में समाजसेवी एवं अभिनेता सनी चौधरी द्वारा एक जून से प्रस्तावित हिन्दू सनातन एकता विशाल पदयात्रा को लेकर बुधवार को पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने यात्रा की रूपरेखा, उद्देश्य और तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पदयात्रा एक जून को गांव गोविंदगढ़ से प्रारंभ होकर अलीगढ़ जनपद के गांव हामीदपुर, कस्बा टप्पल, बाजना सहित विभिन्न स्थानों से गुजरते हुए वृंदावन धाम तक पहुंचेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रहने की संभावना है और लगभग 51 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। सनी चौधरी ने बताया कि इस पदयात्रा में साधु संतों के साथ साथ सौ से अधिक चर्चित हस्तियां और प्रसिद्ध इंटरनेट माध्यम से जुड़े रचनाकार भी भाग लेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में अनिरुद्धाचार्य के शामिल होने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त कलाकार सपना चौधरी, मासूम शर्मा और अमित सैनी सहित अन्य आमंत्रित अतिथियों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पदयात्रा किसी भी प्रकार से राजनीतिक नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को धर्म, संस्कृति और सनातन परंपराओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग सामाजिक माध्यमों और लघु वीडियो में अधिक व्यस्त हो गया है, ऐसे में इस प्रकार की पदयात्रा के माध्यम से उन्हें अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

मंदिर के चौकीदार से मारपीट, तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव भाईपुर स्थित श्री नानकेश्वर महादेव मंदिर में चौकीदारी कर रहे एक व्यक्ति के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में चौकीदार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव फलैदा बांगर निवासी सुभाष ने तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को वह मंदिर में चौकीदार के रूप में ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान गांव मेहंदीपुर निवासी मारून, हारून और सारून वहां पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों और सरिया से हमला कर दिया। शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे मंदिर के मुनीम और महंत ने किसी तरह बीच बचाव कर पीड़ित को आरोपियों से बचाया। घटना में घायल सुभाष को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने मंदिर में चौकीदारी जारी रखी तो उसके साथ-साथ मंदिर समिति के अध्यक्ष को भी इसी तरह निशाना बनाया जाएगा। इतना ही नहीं, पुलिस में शिकायत करने पर भी आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल व असम में भाजपा की जीत पर दादरी में उत्सव, मिठाई बांटकर मनाई खुशी

दादरी (शिखर समाचार)। जीटी रोड स्थित पटवारी के बाग में बंगाल एवं असम में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर गौरक्षा हिंदू दल के कार्यकर्ताओं ने उत्सव मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मिठाई वितरित कर एक दूसरे को बधाई दी और आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। गौरक्षा हिंदू दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद नागर ने कहा कि बंगाल और असम में पार्टी को मिली जीत ऐतिहासिक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह परिणाम जनसमर्थन और पार्टी की नीतियों पर जनता के विश्वास को दशार्ता है। बुधवार को संगठन के कार्यालय पर कार्यकर्ता एकत्र हुए, जहां सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की। साथ ही राहगीरों को भी मिठाई वितरित की गई और उत्सव का माहौल बनाया गया।

स्वर्ण पदक जीतकर लौटे रविंद्र कुमार का भव्य स्वागत

दादरी (शिखर समाचार)। सहारनपुर के मल्हीपुर रोड स्थित सभागार में आयोजित इंडो नेपाल इंटीग्रल फाइटिंग चैंपियनशिप में रूपवास गांव के युवा रविंद्र कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 62 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि से गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।

रविंद्र कुमार ने बताया कि वह कूड़ी खेड़ा रोड स्थित एनसीपी एकेडमी में नियमित अभ्यास करता है। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता 4 और 5 मई को आयोजित हुई, जिसमें 62 किलोग्राम वर्ग में पांच प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बीच रविंद्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

बुधवार को जैसे ही रविंद्र कुमार अपने गांव रूपवास पहुंचे, ग्रामीणों ने फूल मालाएं पहनाकर और गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

किसान नेता राजकुमार सिंह ने कहा कि रविंद्र कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर गांव और जनपद का नाम रोशन किया है। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे टीम भावना का विकास होता है और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

इस अवसर पर महावीर सिंह, रणवीर सिंह, देवेंद्र सिंह, लीलू सिंह, ऋषि कुमार और दीपक सिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

संपादकीय

तमिलनाडु की सियासत में नया मोड़: लोकतंत्र, गठबंधन और जिम्मेदारी की परीक्षा

तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सत्ता का गणित केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि विचारधारा, संवैधानिक प्रतिबद्धता और जनविश्वास की कसौटी बन गया है। 10 मई 2026 को वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है और उससे पहले नई सरकार के गठन की प्रक्रिया पूरी करना संवैधानिक अनिवार्यता है। इस बीच विजय के नेतृत्व वाली पार्टी टीवीके के उभरते समीकरणों ने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। 108 सीटों के साथ टीवीके बहुमत के आंकड़े से महज 10 सीट दूर है, लेकिन कांग्रेस के समर्थन के संकेतों ने इसे सत्ता के बेहद करीब ला खड़ा किया है। यही वह बिंदु है जहां तमिलनाडु की राजनीति केवल सरकार बनाने तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और गठबंधन राजनीति की गंभीर परीक्षा बन जाती है। कांग्रेस द्वारा टीवीके को समर्थन देने की सहमति, हालांकि शर्तों के साथ, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। एआईसीसी के तमिलनाडु प्रभारी की ओर से जारी बयान में स्पष्ट कहा गया है कि समर्थन तभी मिलेगा जब गठबंधन में उन ताकतों को शामिल नहीं किया जाएगा जो संविधान के मूल सिद्धांतों में विश्वास नहीं करतीं। यह शर्त अपने आप में एक राजनीतिक संदेश है कि सत्ता की साझेदारी केवल अंकगणितीय मजबूरी नहीं, बल्कि वैचारिक प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। आज जब देशभर में गठबंधन राजनीति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, तब यह रुख एक सकारात्मक संकेत भी माना जा सकता है कि कम से कम कुछ राजनीतिक दल अब भी संविधान और धर्मनिरपेक्षता को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर टीवीके के सामने भी एक बड़ी चुनौती है। विजय की लोकप्रियता और पार्टी की बढ़ती ताकत ने उन्हें सत्ता के करीब जरूर पहुंचाया है, लेकिन अब उन्हें यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार का राजनीतिक रास्ता अपनाते हैं। क्या वे केवल सत्ता हासिल करने के लिए हर प्रकार के समझौते करेंगे, या फिर वे एक स्पष्ट वैचारिक दिशा के साथ आगे बढ़ेंगे? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ विचारधारा, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। ऐसे में किसी भी नई सरकार से अपेक्षा होगी कि वह इन मूल्यों को बनाए रखे और उन्हें और मजबूत करे। इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू यह है कि कुछ अन्य राजनीतिक दल भी टीवीके के नेतृत्व वाली संभावित सरकार में शामिल होने की इच्छा जता रहे हैं, हालांकि उन्होंने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यह स्थिति बताती है कि सत्ता का आकर्षण किस प्रकार विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने की क्षमता रखता है। लेकिन यही वह बिंदु भी है जहां लोकतंत्र के लिए खतरे की आशंका पैदा होती है। यदि गठबंधन केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाए और उसमें साझा नीति, स्पष्ट एजेंडा और जनहित की प्रतिबद्धता न हो, तो ऐसी सरकारें अक्सर अस्थिर और कमजोर साबित होती हैं। तमिलनाडु जैसे राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य में मतदाता केवल वादों से संतुष्ट नहीं होते, बल्कि वे ठोस काम और पारदर्शी शासन की अपेक्षा रखते हैं। ऐसे में जो भी सरकार बनेगी, उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और औद्योगिक विकास जैसे मुद्दों पर ठोस कदम उठाने होंगे। राज्य पहले ही कई सामाजिक सूचकांकों में अग्रणी रहा है, लेकिन नई चुनौतियों के मद्देनजर अब और अधिक नवाचार और प्रभावी नीतियों की जरूरत है।

~ मौलिक चिंतन ~

अगर अपनी खुशियों की डोर किसी और के हाथों में थमा दोगे, तो खुश नहीं रह पाओगे।

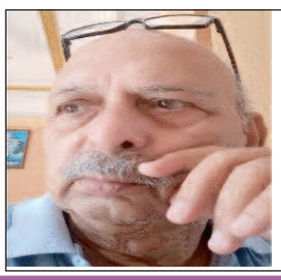

© विनय संकोची

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी

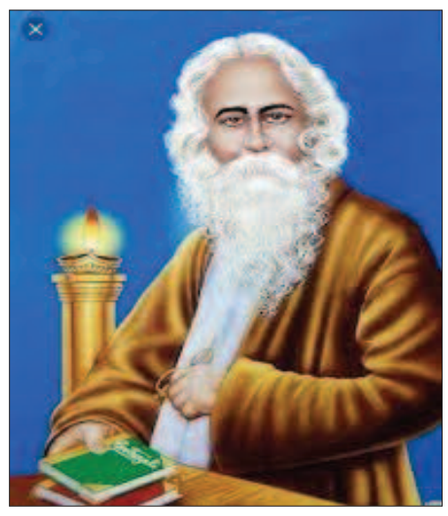

कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

तेल कंपनियों का रिकॉर्ड मुनाफा और उपभोक्ताओं पर बढ़ता बोझ

कांतिलाल मांडोत

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा। अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा।

हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है।

2026 की शुरूआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है।

सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कच्चे तेल की कीमतों का इतिहास देखें तो 2020-21 में यह लगभग 44.65 डॉलर प्रति बैरल थी, जो महामारी के दौरान सबसे कम स्तर था। इसके बाद 2021-22 में यह 79.30 डॉलर, 2022-23 में 90 डॉलर के आसपास, 2023-24 में 82.58 डॉलर और 2024-25 में 78.56 डॉलर रही। 2025-26 में यह औसतन 70.99 डॉलर के आसपास रही। इस ट्रेंड से स्पष्ट है कि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उचित है या इसमें संतुलन की जरूरत है। एक तरफ कंपनियां यह तर्क देती हैं कि उन्हें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, रिफाइनिंग लागत और लॉजिस्टिक्स खर्च का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता यह महसूस करते हैं कि उन्हें कीमतों में पारदर्शिता और राहत मिलनी चाहिए।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है।

भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

बंगाल विजय: संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत ह्यहिंदू वोट बैंकह्न तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार

जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। 'जय श्री राम' के साथ 'जय मां काली' और 'जय मां दुर्गा' जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

कोणार्क, ओडिशा राज्य का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह शहर खासकर अपने प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोणार्क न केवल अपने मंदिरों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

कोणार्क यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

कोणार्क एक अद्भुत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, सूर्य मंदिर और समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों को आकर्षित करती है। अगर आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति रुचि रखते हैं, तो कोणार्क एक अवश्य देखे जाने योग्य स्थान है। यह जगह हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कोणार्क की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति पर्यटकों को करती है आकर्षित

कोणार्क सूर्य मंदिर : स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

कोणार्क का प्रमुख आकर्षण है कोणार्क सूर्य मंदिर। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और 13वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेवद्व द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर अपनी विशाल और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की संरचना एक विशाल रथ (रथ का रूप) की तरह बनाई गई है, जो सूर्य देवता की यात्रा को दर्शाता है। इसके चार पहिये और घोड़े की मूर्तियाँ अत्यधिक बारीकी से बनायी गई हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर के दीवारों पर उकेरी गई चित्रकला और शिल्पकला भारतीय स्थापत्य का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहाँ की मूर्तियाँ और नक्काशी दर्शाती हैं कि उस समय के शिल्पकारों ने कितना उच्च स्तर का कला कौशल हासिल किया था। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय शिल्पकला और वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

कोणार्क बीच

कोणार्क का एक और प्रमुख आकर्षण है यहाँ का सुंदर समुद्र तट, जिसे कोणार्क बीच कहा जाता है। यह समुद्र तट अपनी शांत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यह समुद्र तट उन लोगों के लिए आदर्श है जो समुद्र के नजदीक शांति और सुकून की तलाश करते हैं। साथ ही, यहाँ विभिन्न जल क्रीड़ाओं का भी आनंद लिया जा सकता है, जैसे कि स्विमिंग, बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स।

कोणार्क की ऐतिहासिक धरोहर

कोणार्क में केवल सूर्य मंदिर ही नहीं, बल्कि अन्य ऐतिहासिक स्थल भी हैं जो इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। कोणार्क म्यूजियम में पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की पुरानी मूर्तियाँ, शिल्पकला और अन्य पुरातात्विक वस्तुएं इस क्षेत्र की समृद्ध धरोहर को उजागर करती हैं।

कोणार्क महोत्सव

कोणार्क नृत्य महोत्सव हर साल दिसंबर महीने में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में ओडिशा के पारंपरिक नृत्य रूपों, जैसे कि ओडिसी नृत्य, के शानदार प्रदर्शन होते हैं। यह महोत्सव कोणार्क सूर्य मंदिर के पास खुले आकाश के नीचे आयोजित होता है, जहाँ पर्यटक और कलाकार एक साथ ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाते हैं। यह महोत्सव कला और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

नजदीकी पर्यटक स्थल

कोणार्क के आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चिलिका झील जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, केवल 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा, पुरी और भुवनेश्वर जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी कोणार्क के पास स्थित हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है।

पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है।

आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी।

आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35-40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे-भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे-भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से पतरातू घाटी तक एनएच-33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च : इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबर : मानसून के दौरान घाटी हरे-भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें ; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें। पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

एनएसई ने की आईपीओ की तैयारी, दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तय

नई दिल्ली।

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बैंकरों से कंपनी का आंरभिक सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए आईपीओ विवरणिका (डीआरएचपी) दाखिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। एनएसई ने नियामक के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तक है। घटनाक्रम से अवगत लोगों ने इसकी जानकारी दी। अगर कंपनी द्वारा तय समय सीमा का पालन किया जाता है तो 2026 के आखिर में एनएसई के बड़े आईपीओ लाने का रास्ता साफ हो सकता है। डीआरएचपी जमा करने के बाद एनएसई को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम टिप्पणियों का इंतजार है, जिसमें आम तौर पर दो से तीन महीने का समय लगता है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया कि जून के अंत से पहले डीआरएचपी दाखिल करने से एक्सचेंज फाइलिंग में मदद मिलेगी क्योंकि यह जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के वित्तीय आंकड़ों पर आधारित होगी। एक्सचेंज ने इन आंकड़ों की घोषणा मंगलवार को की। आईपीओ को लेकर ताजा घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर एनएसई ने कहा कि सेबी द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर बोर्ड ने 6 फरवरी, 2026 को बिक्री पेशकश के जरिये कंपनी के आईपीओ को मंजूरी दे दी है और अभी इस बारे में और कुछ बताने के लिए नहीं है। आईपीओ मसौदा दायर करने से पहले एक्सचेंज ने 25 मई को बैठक बुलाई है ताकि अपने आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में संशोधनों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जा सके। आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन कंपनी का मुख्य कानूनी दस्तावेज होता है जिसमें कंपनी के आंतरिक प्रबंधन, संचालन, नियमों और विनियमों का विवरण होता है। यह कंपनी के दैनिक कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए निदेशकों और शेयरधारकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों और शक्तियों को परिभाषित करता है। एक्सचेंज नियमन संबंधित पुरानी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। इसमें सेबी द्वारा गठित एक उच्च-स्तरीय सलाहकार समिति की सिफारिश के मुताबिक कोलोकेशन और डार्क फाइबर से जुड़े मामलों में 1800 करोड़ से अधिक का निपटारा भी शामिल है। यह आईपीओ पूरी तरह से ओएफएस होगा और एनएसई कोई नया शेयर जारी नहीं करेगी। इसमें मौजूदा निवेशक मांग के आधार पर अपनी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचेंगे। टेमासेक, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड, भारतीय जीवन बीमा निगम और क्रिसकैपिटल जैसे शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी कम कर सकते हैं।

बंगाल में बीजेपी सरकार बनने से निवेश और उद्योग को नई रफ्तार की उम्मीद

चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक बोले- यहां भूमि आज भी बड़ी संरचनात्मक चुनौती

नई दिल्ली। 2015 में पश्चिम बंगाल के बर्नपुर स्थित आधुनिक आईआईएससीओ संयंत्र के उद्घाटन समारोह में सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी की मौजूदगी में कहा था कि राजनीति और विकास को अलग-अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि आने वाले सालों में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बढ़ते टकराव और टीएमसी की नीतियों के चलते कई बड़े निवेश प्रस्ताव पर असर हुआ। अब राज्य और केंद्र दोनों में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उद्योग जगत की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह राजनीतिक तालमेल पश्चिम बंगाल को फिर से निवेश और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बना पाएगा। बता दें बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में कारोबार सुगमता बढ़ाने, सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने और सिंडिकेट संस्कृति खत्म करने का वादा किया है। पार्टी ने बंदरगाह आधारित विकास, नीली अर्थव्यवस्था, मत्स्य पालन, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण और तटीय आर्थिक क्षेत्रों के विस्तार की योजना भी पेश की है। साथ ही आधुनिक इस्पात संयंत्रों और नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास पर भी जोर दिया है। पश्चिम बंगाल के औद्योगिक इतिहास में सिंगूर का मुद्दा हमेशा अहम रहा है। जहां कभी टाटा की नैनो परियोजना प्रस्तावित थी, वहीं अब बीजेपी वहां औद्योगिक पार्क विकसित करने की बात कर रही है। उद्योग जगत की सबसे बड़ी उम्मीद भूमि अधिग्रहण नीति में बदलाव को लेकर है। सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलनों के बाद राज्य में भूमि अधिग्रहण बेहद संवेदनशील विषय बन गया था। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक राजीव सिंह का कहना है कि पश्चिम बंगाल में भूमि आज भी सबसे बड़ी संरचनात्मक चुनौती बनी हुई है। राज्य में जनसंख्या घनत्व ज्यादा है और जमीन छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी हुई है। राज्य में करीब 71 लाख किसान परिवार हैं, जिनमें 96 फीसदी छोटे और सीमांत किसान हैं। औसतन प्रत्येक किसान के पास एक हेक्टेयर से भी कम जमीन है। इसके बावजूद उनका मानना है कि यदि सरकार और उद्योग जगत मिलकर काम करें तो 50 से 100 एकड़ तक जमीन उपलब्ध कराना मुश्किल नहीं होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 940, निफ्टी 298 उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ संघर्ष समाप्त करने के संकेतों से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इस कारण कच्चे तेल की कीमतों में 6 फीसदी की गिरावट आई है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 298.15 अंक उछलकर 24,330.95 पर पहुंच गया। बीएसई के शीर्ष 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त पर बंद हुए। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के सभी सेक्टोरियल इंडेक्स में तेजी रही। केवल एफएमसीजी सेक्टर के शेयर ही नीचे आये। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप और निफ्टी मिडकैप शेयरों मे 0.9 फीसदी और 1.1 फीसदी की बढ़त रही। शेयर बाजार में तेजी की वजह से आज निवेशकों को खासा लाभ हुआ। बाजार पूंजीकर 466 लाख करोड़ रुपये से 472 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया जिससे निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.42 अंक करीब 0.33 फीसदी की तेजी के साथ 77,248.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.80 अंक उछलकर 24,129.75 पर करोबार कर रहा था। आज महिन्द्रा एंड महिंद्रा , इंटर ग्लोब एवीएशन और टाटा मोटर्स वाहनों के शेयरों में तेजी रही। इन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी आई। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 1.01 फीसदी उछला। दूसरी ओर एशियाई और अमेरिकी बाजारों में भी तेजी का माहौल रहा।

एनएसई ने की आईपीओ की तैयारी, दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तय

नई दिल्ली।

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बैंकरों से कंपनी का आंरभिक सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए आईपीओ विवरणिका (डीआरएचपी) दाखिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। एनएसई ने नियामक के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तक है। घटनाक्रम से अवगत लोगों ने इसकी जानकारी दी। अगर कंपनी द्वारा तय समय सीमा का पालन किया जाता है तो 2026 के आखिर में एनएसई के बड़े आईपीओ लाने का रास्ता साफ हो सकता है। डीआरएचपी जमा करने के बाद एनएसई को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम टिप्पणियों का इंतजार है, जिसमें आम तौर पर दो से तीन महीने का समय लगता है।

हीरो मोटोकॉर्प को मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री से हुई मोटी कमाई

कंपनी ने प्रत्येक शेयर पर 75 रुपए के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 1,473.92 करोड़ रुपए हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,168.75 करोड़ था। कंपनी की आय भी बढ़ी है। मार्च तिमाही में ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 12,978.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,969.81 करोड़ था। तिमाही में कंपनी ने 17.14 लाख वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी ज्यादा है। वहीं, कुल खर्च बढ़कर 11,295.53 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 8,750.13 करोड़ था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा बढ़कर 5,775.7 करोड़ रहा, जबकि 2025 में यह 4,375.81 करोड़ रुपए था। वहीं, पूरे साल का रेवेन्यू 47,411.24 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 40,923.42 करोड़ रुपए था। कंपनी के सीईओ हर्षवर्धन चितले ने कहा कि 2026 कंपनी के लिए खास साल रहा। प्रीमियम और इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो के साथ घरेलू और वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग से कंपनी को अच्छा फायदा हुआ। हीरो मोटोकॉर्प ने अपने शेयरधारकों के लिए 2 रुपए फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 75 रुपए के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। कंपनी ने डिविडेंड पाने के पात्र शेयरधारकों की पहचान के लिए 24 जुलाई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसके अलावा, कंपनी के बोर्ड ने पवन मुंजाल को 1 अक्टूबर 2026 से अगले पांच साल के लिए फिर से एग्जीक्यूटिव चेयरमैन नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी।

अप्रैल में रिकॉर्ड 26.1 लाख वाहन बिके, ग्रामीण क्षेत्र बना ग्रोथ इंजन

मुंबई ।

अप्रैल माह में वाहनों की खुदरा बिक्री ने एक नया इतिहास बना दिया है। इस साल अप्रैल में कुल 26.1 लाख वाहन बिके, जो बीते अप्रैल की तुलना में 12.94 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दिखाता है। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को जाता है, जिन्होंने शहरी बाजारों से भी बेहतर प्रदर्शन कर देश की आर्थिक गति को बनाए रखा। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) और उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, छह में से पांच वाहन श्रेणियों ने अप्रैल 2024 की बिक्री में रिकॉर्ड दर्ज किया। इसमें दोपहिया वाहनों ने 13 प्रतिशत, तिपहिया ने 7 प्रतिशत, यात्री वाहनों ने 12 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों ने 15 प्रतिशत और ट्रैक्टरों ने 23.22 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दिखाई। हालांकि, निर्माण उपकरण श्रेणी में 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने इस गति पर संतोष जताकर कहा कि हम वित्त वर्ष 27 में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के पीछे कई कारक जिम्मेदार रहे, जिसमें जीएसटी 2.0 के बाद उपभोक्ताओं की खर्च करने की बेहतर क्षमता, भारतीय रिजर्व बैंक का ब्याज दरों के प्रति सहायक रुख जिसने ईएमआई की सुविधा बढ़ाई और देशभर में शादियों का जोरदार सीजन शामिल हैं। यह दर्शाता है कि वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही में शुरू हुई संरचनात्मक मांग की गति नए वित्त वर्ष में भी बरकरार है। खासकर यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 4,07,355 यूनिट्स रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.21 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि है और यह अब तक का सबसे अच्छा अप्रैल रहा। इस श्रेणी की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि ग्रामीण क्षेत्रों ने शहरों को पीछे छोड़ दिया, जहां वाहन बिक्री में 20.40 प्रतिशत

की वृद्धि हुई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 7.11 प्रतिशत रही, जो ग्रामीण बढ़त का लगभग तीन गुना है। यह छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक व्यक्तिगत गतिशीलता के संरचनात्मक विस्तार की पुष्टि करता है, इस छोटी कारों की वापसी, एसयूवी की लगातार मांग और सीएनजी (22.62 प्रतिशत) व ईवी (5.77 प्रतिशत) जैसे वैकल्पिक-इंजन वाले मॉडलों के समृद्ध मिश्रण का समर्थन मिला। यात्री वाहनों के बिना बिके स्टॉक का स्तर भी 28 से 30 दिनों की आपूर्ति सीमा में है, इस सकारात्मक माना जा रहा है। अप्रैल 2024 में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ने भी अपनी जोरदार रफ्तार बनाए रखी और 19 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई, जो इस श्रेणी के लिए अब तक का सबसे अच्छा अप्रैल है। यहां मांग व्यापक रही, जिसमें शहरी बाजारों में 14.07 प्रतिशत और ग्रामीण बाजारों में 12.30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी 99,339 यूनिट्स रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

गोदरेज एरोस्पेस ने मुंबई में लगाई नया प्लांट, 2032 तक 20फीसदी विकास का रखा लक्ष्य

कंपनी का ध्यान अगले 4-5 सालों में अपने डिजाइन प्लेटफॉर्म बनाने पर

नई दिल्ली। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की वाणिज्यिक एरोस्पेस विनिर्माण इकाई को वित्त वर्ष 2032 तक सालाना कम से कम 15 से 20 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। इसका कारण यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच मांग मजबूत बनी हुई है और उत्पादन स्थिर बना हुआ है। इकाई के कार्यकारी उपाध्यक्ष और कारोबार प्रमुख मानेक बेहरामकामदीन ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समूह के वाणिज्यिक एरोस्पेस कारोबार ने वित्त वर्ष 2026 में 435 करोड़ रुपए का कुल राजस्व हासिल किया और यह इकाई कोविड-19 के बाद से राजस्व में हर साल 30 फीसदी की बढ़ोतरी कर रही है। कंपनी अब अपना खुद का डिजाइन प्लेटफॉर्म बना रही है, विशेष रूप से सर्वो एक्चुएटर और इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर जैसे पुर्जों के लिए। वह बिल्ड-टु-प्रिंट विनिर्माता से डिजाइन-आधारित कंपनी बनने के लिए मूल्य श्रृंखला में बढ़ने पर विचार कर रही है। बेहरामकामदीन ने कहा कि अगले कुछ सालों में बौद्धिक संपदा विकसित करना और 'एक्चुएशन प्रणाली के लिए डिजाइन हाउस बनने का लक्ष्य है। ये प्रणालियां विमान के अहम पुर्जे होते हैं जो पंखों और लैंडिंग गियर जैसे हिस्सों की गति को नियंत्रित करती हैं। इससे वे एरोस्पेस विनिर्माण में ज्यादा मूल्य वाली श्रेणी बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान अगले चार से पांच सालों में अपने डिजाइन प्लेटफॉर्म पर काम करने पर होगा। वर्तमान में कंपनी के पास छोटी, लेकिन बढ़ने वाली डिजाइन टीम है और वह मॉडलिंग और विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में क्षमताओं के निर्माण के लिए बाहरी विशेषज्ञों के साथ साझेदारी भी कर रही है, जो उड़ान के अहम पुर्जों के विकास के लिए जरुरी होते हैं। इनपुट लागत के बारे में पूछे जाने पर बेहरामकामदीन ने कमोडिटी के वैश्विक बाजारों में अस्थिरता की ओर इशारा किया, विशेष रूप से हाल ही में 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से एरोस्पेस विनिर्माण में उपयोग की जाने वाली धातुओं के संबंध में। विस्तार के बारे में उन्होंने कहा कि समूह ने नई एरोस्पेस विनिर्माण इकाई के लिए करीब 500 करोड़ रुपए की प्रतिबद्धता जताई है।

एयर कंडीशन, एलपीजी, पॉलिमर और प्लास्टिक की कीमतों में 15 से 20 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली।

कच्चे माल की महंगाई और सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के चलते एयर कंडीशनर (रूम), एलपीजी, पॉलिमर और प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों में 15 से 20 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। उद्योग से जुड़े जानकारों के मुताबिक धातुओं, कंप्रेसर और केमिकल्स की लागत बढ़ने का सीधा असर उपभोक्ता वस्तुओं पर पड़ा है। एसी बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि उत्पादन लागत में करीब 16 फीसदी तक इजाफा हुआ है, जिससे कीमतें बढ़ाना मजबूरी बन गया है। वहीं एलपीजी और पॉलिमर के दाम बढ़ने से प्लास्टिक उत्पाद भी महंगे हो गए हैं। आने वाले दिनों में मिड-रेंज एसी मॉडल्स की कीमत में करीब 1500 से 1750 रुपये तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों में जल्द राहत नहीं मिली, तो महंगाई का असर और बढ़ सकता है।

दिवालिया संकट टला एम्बेसी डेवलपमेंट्स के शेयर 20 प्रतिशत उछले

मुंबई।

रियल एस्टेट दिग्गज एम्बेसी डेवलपमेंट्स ने एक बड़ी कानूनी जीत हासिल की है, जिससे कंपनी पर मंडरा रहा दिवालिया होने का संकट खत्म हो गया है। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) द्वारा दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने के पुराने आदेश को रद्द करते ही, निवेशकों का भरोसा बहाल हुआ और कंपनी के शेयर बुधवार को 20 प्रतिशत के अपर सर्किट के करीब पहुंच गए।

यह मामला तब शुरू हुआ था जब 9 दिसंबर 2025 को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की दिल्ली पीठ ने एम्बेसी डेवलपमेंट्स के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का आदेश दिया था। कंपनी ने फैसले के खिलाफ एनसीएलएटी का दरवाजा खटखटाया था, जिसने अब अपने अंतिम निर्णय में एनसीएलटी के आदेश को खारिज कर मामले को पूरी तरह बंद किया है। इस फैसले से कंपनी के प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाने वाले ग्राहकों व निवेशकों ने बड़ी राहत की सांस ली है। कंपनी के चेयरमैन जीतू विरवानी ने इस फैसले को सच्चाई की जीत बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक पुराना मामला था, जिसमें इंडियाबुल्स रियल एस्टेट के एक

पत्र को गलत तरीके से कॉरपोरेट गारंटी मान लिया गया था। कंपनी ने आश्वस्त किया है कि इस कानूनी प्रक्रिया के दौरान उसके बिजनेस या किसी भी हाउसिंग प्रोजेक्ट पर कोई असर नहीं पड़ा है, और कामकाज सामान्य रूप से जारी रहेगा। इस फैसले से घर खरीदारों और शेयरधारकों के हितों को पूरी सुरक्षा मिली है, और उनके मन से अनिश्चितता के बादल पूरी तरह छंट गए हैं। एनसीएलएटी के इस बड़े फैसले के तत्काल बाद, 6 मई 2026 को एम्बेसी डेवलपमेंट्स के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई और यह करीब 20 प्रतिशत उछलकर 58.30 पर पहुंच गया। इस कानूनी राहत ने निवेशकों के बीच अनिश्चितता के बादलों को पूरी तरह छांट दिया है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 30 दिनों में स्टॉक में कुल 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बायोकॉन में नेतृत्व परिवर्तन किरण मजूमदार-शॉ ने भतीजी को बनाया उत्तराधिकारी

बेंगलुरु।

बायोटेक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी बायोकॉन अब अपने नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव करने की तैयारी में है। कंपनी की दूरदर्शी संस्थापक और चेयरपर्सन, किरण मजूमदार-शॉ ने अपनी भतीजी क्लेयर मजूमदार को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है।

यह घोषणा कंपनी के विकास के अगले चरण को देखकरकी गई है, जिसका उद्देश्य शीर्ष नेतृत्व में निरंतरता और सुचारु परिवर्तन करना है। हाल ही में साक्षात्कार में, मजूमदार-शॉ ने दो टूक कहा कि यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से होगा। इसके तहत क्लेयर धीरे-धीरे कंपनी के नेतृत्व की भूमिकाओं में गहराई से शामिल होंगी और अंततः चेयरपर्सन का पदभार संभालेंगी।

यह पूरी प्रक्रिया अगले पांच वर्षों में पूरी होगी है। उन्होंने कहा कि वह तुरंत अपने पद से हट नहीं रही हैं, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि बायोकॉन को सही हाथों में रहे। मजूमदार-शॉ ने अपनी भतीजी पर विश्वास जताकर कहा, मैंने अपनी भतीजी क्लेयर को अपनी उत्तराधिकारी के तौर पर देखा है, क्योंकि मुझे लगता है कि भतीजी ने यह साबित किया है कि वह एक कंपनी चला सकती है।इस महत्वपूर्ण घोषणा का बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। बीएसई पर बायोकॉन का शेयर करीब 2.36 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। यह निवेशकों के उस भरोसे को दिखाता है कि कंपनी ने एक स्पष्ट उत्तराधिकार योजना प्रस्तुत की है और प्रवर्तक का नियंत्रण प्रभावी ढंग से बना रहेगा। 37 वर्षीय क्लेयर मजूमदार, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और उद्यमिता के प्रभावशाली अनुभव का संगम हैं। वह बिकारा थेरेप्यूटिक्स की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। बिकारा एक क्लिनिकल-स्टेज ऑन्कोलॉजी कंपनी है जो ट्यूमर के लिए बाइफंक्शनल एंटीबॉडीज के विकास पर केंद्रित है।

वर्ष 2024 में बिकारा का मूल्यांकन 80 करोड़ डॉलर से अधिक था जब यह नैस्डैक में सूचीबद्ध हुई, और अब इसका बाजार पूंजीकरण 1.6 अरब डॉलर से भी अधिक है, जबकि इसकी मुख्य कैंसर थेरेपी अभी भी क्लिनिकल ट्रायल में है। क्लेयर की अकादमिक पृष्ठभूमि भी बेहद मजबूत है; उन्होंने एमआईटी से बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ साइंस, स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए और स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ मेडिसिन से कैंसर बायोलॉजी में पीएचडी की डिग्री हासिल की है। यह अनुभव और योग्यता उन्हें बायोकॉन जैसे बड़े संस्थान की कमान संभालने के लिए एक आदर्श उम्मीदवार बनाती है।

सरकारी क्रेडिट गारंटी योजना से इंडिगो और स्पाइसजेट के शेयरों में जबरदस्त उछाल

मुंबई ।

केंद्र सरकार द्वारा 1.81 लाख करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना को मंजूरी मिलने के बाद बुधवार को इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड और स्पाइसजेट के शेयरों में तूफानी तेजी दिखाई दी। इस सरकारी फैसले का मुख्य उद्देश्य कंपनियों और एयरलाइंस को अतिरिक्त वित्तीय सहायता मिलना है, जिससे उनके वित्तीय बोझ को कम कर सके और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले। बाजार खुलने के बाद से ही निवेशकों में उत्साह देखा गया। दोपहर साढ़े दस बजे के करीब इंडिगो के शेयर 3.50 प्रतिशत की शानदार उछाल के साथ 4385 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे थे। सुबह 4320 रुपये पर खुलने के बाद ये शेयर तेजी से बढ़कर 4393 रुपये के अपने इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। वहीं, स्पाइसजेट के शेयरों में भी करीब 5 प्रतिशत की शानदार तेजी दर्ज की गई, जिसने शेयर को अपर सर्किट तक पहुंचा दिया। स्पाइसजेट के शेयर 12.50 रुपये पर खुले और तुरंत 12.70 रुपये के अपर सर्किट मूल्य पर स्थिर हो गए, जिससे इस एयरलाइन के निवेशकों को बड़ा लाभ हुआ।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने योजना का विवरण देकर बताया कि इसका लक्ष्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और विशेष रूप से विमानन क्षेत्र को कुल 2.55 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज उपलब्ध कराना है। इस महत्वपूर्ण पहल पर केंद्र सरकार गारंटी के तौर पर 18,100 करोड़ रुपये खर्च करेगी। योजना के तहत विमानन क्षेत्र के लिए 5,000 करोड़ रुपये का विशेष आवंटन किया गया है, जो इस सेक्टर की मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए एक बड़ी राहत है। यह पूरी योजना नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) के माध्यम से संचालित होगी, जो सदस्य ऋण संस्थानों को गारंटी कवर प्रदान करके यह सुनिश्चित करेगी कि वैध और योग्य उधारकर्ताओं को आसानी से अतिरिक्त ऋण मिल सके, जिससे उनके संचालन में सुगमता आए। सरकार के इस महत्वपूर्ण आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से शेयर बाजार में सकारात्मक माहौल बना।

मोदी कैबिनेट ने दी आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के पांचवें संस्करण को मंजूरी

एमएसएमई और एविएशन सेक्टर को दिया 18,100 करोड़ का राहत पैकेज

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के पांचवें संस्करण को मंजूरी दे दी।

इस योजना के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), विमान कंपनियों और अन्य कंपनियों को पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती लागतों के बीच कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए 18,100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। कोविड महामारी के दौरान मई 2020 में पहली बार शुरू की गई इस योजना से विमानन क्षेत्र के लिए 5,000 करोड़ के विशेष आवंटन सहित 2.55 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त ऋण प्रवाह की उम्मीद है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबि पीएम मोदी ने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत ईसीएलजीएस 5.0 वैश्विक चुनौतियों के समय में भारत के व्यवसायों, विशेष कर एमएसएमई क्षेत्र का समर्थन करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मजबूत गारंटी कवरेज के साथ अतिरिक्त ऋण प्रवाह को संभव बनाकर यह पहल कई क्षेत्रों की मदद करेगी।

हमारा ध्यान उद्यमों को सशक्त बनाने, वृद्धि की गति को बनाए रखने और आजीविका की सुरक्षा पर केंद्रित है। यह योजना बैंकों को सरकार समर्थित गारंटी प्रदान करके पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित व्यवसायों को ज्यादा ऋण देने की अनुमति देती है। यदि उधारकर्ता भुगतान में चूक करते हैं तो नैशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी के जरिए सरकार एमएसएमई के लिए 100 फीसदी और बड़ी फर्मों व विमानन कंपनियों के मामले में 90 फीसदी नुकसान को कवर करेगी। इससे ऋणदाताओं का जोखिम कम होगा और व्यवसायों की नकदी प्रवाह की समस्या दूर होगी। कंपनियां वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में उपयोग की गई अपनी उच्चतम कार्यशील पूंजी का 20 फीसदी तक, 100 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा के साथ अतिरिक्त ऋण प्राप्त कर सकते हैं। विमानन कंपनियां जरुरत का 100 फीसदी तक, प्रति उधारकर्ता 1,500 करोड़ रुपए की सीमा के साथ अतिरिक्त कर्ज ले सकती हैं।

संजू सैमसन मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में पहुंचे, साई सुदर्शन को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने धीमी और टर्न ले रही दिल्ली की पिच पर 52 गेंदों में नाबाद 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिक के शीर्ष पांच में जगह बना ली।

सैमसन ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह कमाल किया। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पांचवें स्थान से हटाया। इसके साथ ही वह केएल राहुल, अभिषेक शर्मा, हाइनरिक क्लासन और वैभव सूर्यवंशी के साथ IPL 2026 में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। सैमसन के इस सीजन 10 पारियों में 402 रन हो गए हैं। उनका औसत 57.42 और स्ट्राइक रेट 167.50 का है। बुधवार रात सनराइजर्स हैदाबाद का मुकाबला पंजाब किंग्स से होना है। ऐसे में अभिषेक शर्मा और क्लासन दोनों के पास टॉप स्थान तक पहुंचने का मौका रहेगा।

वहीं पर्पल कैप तालिका की बात की तो मंगलवार के मुकाबले के बाद पर्पल कैप टेबल के टॉप पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ। भुवनेश्वर कुमार अब भी 17 विकेट के साथ टॉप पर बने हुए हैं। उनके बाद अंशुल कम्बोज (चेन्नई सुपर किंग्स, 17 विकेट), कगिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस, 16 विकेट), जोफ्रा आर्चर (राजस्थान रॉयल्स, 15 विकेट) और इशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद, 15 विकेट) शामिल हैं। कम्बोज ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अलग-अलग फेज में गेंदबाजी की, लेकिन अपने चार ओवर में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल जैकब बेथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है ओर वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसें में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा ऋणाल पंड्या ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनो के बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, ऋणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

हार से निराश अक्षर बोले, 10 से 15 रन और बनाते तो परिणाम कुछ और होता

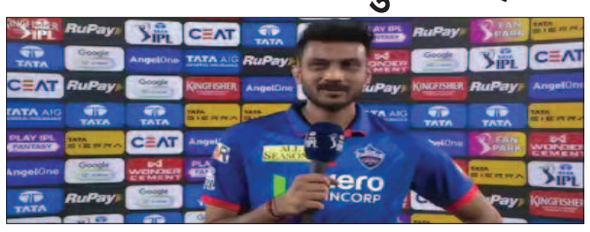

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। अक्षर ने कहा कि अगर हम 10 से 15 रन और बनाते तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। इस मैच में हार से दिल्ली कैपिटल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम हुई हैं। अक्षर ने कहा कि155 रन का स्कोर बचाव के लिए अच्छा था हालांकि टीम 10-15 रन और बनाती तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा नए बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाजी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि गेंद रुककर आ रही थी और कभी नीची तो कभी असामान्य उछाल ले रही थी। हालांकि, उन्होंने सीएसके के बल्लेबाज संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बल्लेबाज क्रीज पर सेट हो जाता है, तो विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर महसूस होने लगता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मुझे लगता है कि हम 10-15 रन से पीछे रह गए।

सैमसन ने धीमी और गेंदबाजों की सहायक पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा बनाए गए सात विकेट पर 155 रन के लक्ष्य को सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा है और वह 10 मैचों में पांचवीं जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को इतने ही मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा है और आठ अंकों के साथ वे सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अक्षर ने कहा कि उनकी टीम को गेंदबाजी के दौरान कुलदीप यादव की कमी महसूस हुई।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ प्लेऑफ का रास्ता

-बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत की लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट में मिली सातवीं हार के साथ ही तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है हालांकि आधिकारिक तौर पर देखें तो तब भी सुपर जायंट्स की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे बचे हुए सभी पांच मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कप्तान ऋषभ ने भी स्वीकार किया कि उनकी टीम को अब टॉप-4 में पहुंचने के लिए काफी किस्मत की जरूरत होगी। वह गलत नहीं हैं, क्योंकि 9 मैचों में 2 जीत और 7 हार के साथ ही सुपरजायंट्स को अब प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों के उसके अनुसार आने पर निर्भर रहना होगा।

प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए, लखनऊ को अब अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उन्हें 7 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), 10 और 15 मई को दो बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आर) और 23 मई को पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स) का सामना करना है। इन सभी पांच मैचों में जीत से उन्हें 10 और अंक मिलेंगे, जिससे वे सत्र के अंत में 14 अंक हासिल कर सकते हैं

हालांकि, केवल अपनी जीत पर्याप्त नहीं होगी। लखनऊ की टीम को अपनी जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब किंग्स , सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी मजबूत टीमें अपने ज्यादातर मैच जीतें। इससे ये टीमें 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर शीर्ष-3 प्लेऑफ स्थानों को पक्का कर सकेंगी, जिससे चौथे स्थान के लिए मुकाबला खुला रहे। इसके अलावा उसे ये भी उम्मीद करनी होगी कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस अपने बचे हुए मैचों में हारें, ताकि वे 14 से अधिक अंक न बना सकें। उसके लिए बेंगलुरु को हराना भी अत्यंत जरुरी होगा।। कुल मिलाकर, प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए लखनऊ को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों के भी पूरी तरह से अनुकूल होने की प्रार्थना करनी होगी। इस प्रकार देखा जाये तो उसे चमत्कार की ही अधिक जरुरत है।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था : कोच जयवर्धने

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी। जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें। रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं ।वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की ।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे।

बुमराह से ब्रेक की जरुरत को लेकर बात करें प्रबंधन : बांगड़

मुम्बई । आईपीएल के इस 19 सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खराब फार्म से सभी हैरान है। मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे बुमराह की गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं पर वह विकट नहीं ले पा रहे। इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान हुआ है और वह केवल 6 अंक लेकर नौवे स्थान पर है। ऐसे में कहा है कि उन्हें अब आराम दिया जाना चाहिये। वहीं इस मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने टीम प्रबंधन से कहा है कि वह बुमराह से सीधे बात करे और उनसे आराम लेने को लेकर पूछे। उनसे पूछें, क्या वह पूरी तरह से फिट है या फिर उनहें आराम की जरुरत है। अगर वह आराम चाहते हैं तो लें और तरोताजा होकर वापसी करें। उन्होंने जोर दिया कि यह एक ईमानदार बातचीत होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेलने के लिए तैयार हैं ।बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सत्र खराब जाना हो। उन्होंने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं। बांगड़ के अनुसार, बुमराह की विफलता प्रयास की कमी नहीं है। उन्होंने कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। बुमराह के लिए यह असामान्य है कि वह पहले दो ओवरों में 31 रन दें। वह पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी बॉडी लैंग्वेज से दिखता है कि वह परेशान हैं। बांगड़ ने यह भी कहा कि उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उन्हें दूसरे ओवर में गेंद दी गई और फिर चौथे ओवर में। मेरा मानना है कि अपने सबसे अच्छे गेंदबाज को शुरुआत में ही दो अच्छे ओवर पहला और तीसरा देने चाहिए।

अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

नई दिल्ली । भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान केकाकामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासाका अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साई भोपाल में हमारा कैंप बहुत सफल रहा है। खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला। इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन्स पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सीनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें। कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है। इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा। वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साई भोपाल में हमारा कैंप अच्छा रहा। खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर । यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है। सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है। महिला और पुरुष टीमें अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी। इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम , अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी।

बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 को हारने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 - मंगलवार 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर - बुधवार 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 – शुक्रवार 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल - रविवार 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

मैड्रिड । स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है। ।ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी ।खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है। टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिल का फिट नहीं होना है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वार्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है।

हमारा वर्ल्ड कप होस्ट 'फीफा है, ट्रंप या अमेरिका नहीं', ईरान का बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)। तेहरान-ईरान के फुटबॉल प्रमुख का कहना है कि उनके वर्ल्ड कप का होस्ट 'फीफा है, न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका' और उन्होंने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रति सम्मान की मांग की है, अगर राष्ट्रीय टीम को इस गर्मी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करनी है। अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के कारण वर्ल्ड कप में ईरान की भागीदारी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

ईरानी एफए के प्रमुख मेहदी ताज उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो पिछले सप्ताह वैंकूवर में फीफा कांग्रेस से पहले कनाडाई सीमा से वापस लौट आया था, क्योंकि उन्हें लगा कि आव्रजन अधिकारियों द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। ताज ने कहा कि घर लौटने का फैसला उनका अपना था, लेकिन कनाडा के आव्रजन मंत्री ने संसद में पुष्टि की कि ईरानी एफए अध्यक्ष का वीजा उस समय रद्द कर दिया गया था जब वे हवाई जहाज़ में थे, क्योंकि आईआरजीसी के साथ उनके संबंध थे।

IRGC की स्थापना ईरान की इस्लामी व्यवस्था की रक्षा के लिए की गई थी और यह देश में एक प्रमुख सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति बन गया है। हालांकि, कनाडा और अमेरिका में इस समूह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फीफा के महासचिव मैटियस ग्राफस्ट्रॉम ने 'असुविधा और निराशा' के लिए खेद व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा और ईरान को 20 मई को ज़्यूरिख में उनके वर्ल्ड कप की तैयारियों के बारे में बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

ताज, जो IRGC के एक उच्च पदस्थ अधिकारी रह चुके हैं, ने मंगलवार को सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि वे वर्ल्ड कप में ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाले व्यवहार के बारे में शासी निकाय से आश्वासन मांगेंगे। ताज ने कहा, 'हमें अपनी यात्रा के लिए वहाँ एक गारंटी चाहिए कि उन्हें हमारी व्यवस्था के प्रतीकों - विशेष रूप से आईआरजीसी - का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसी कोई गारंटी मिलती है और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से ली जाती है, तो कनाडा में हुई जैसी घटना फिर कभी नहीं होगी।'

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई के बीच मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी करेंगे। ईरान के दो मैच लॉस एंजेलिस में होने हैं - 15 जून को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ; इसके बाद 26 जून को सिएटल में उसका मुकाबला मिस्र से होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री माकर रूबियो ने पिछले हफ़्ते कहा था कि IRGC से जुड़े किसी भी व्यक्ति को देश में आने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

ताज ने कहा, 'हम वर्ल्ड कप में जा रहे हैं, जिसके लिए हमने क्वालिफ़ाई किया है; और हमारे मेजबान फीफा है - न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका। अगर वे हमारी मेजबानी स्वीकार करते हैं, तो उन्हें यह भी स्वीकार करना होगा कि वे किसी भी तरह से हमारे सैन्य संस्थानों का अपमान नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे

ऐसा करते हैं, तो जाहिर है, वैसी ही स्थिति पैदा हो सकती है जैसी कनाडा में हुई थी - जहां ऐसी संभावना बन गई थी कि हमें वापस लौटना पड़ सकता है। इसलिए, इस तरह की गारंटी ज़रूर होनी चाहिए ताकि हम पूरी तरह से निश्चिंत होकर वहाँ जा सकें।'

अमेरिका और इजरायल ने फरवरी में ईरान पर हवाई हमले किए थे। 211 सदस्य देशों में से ईरान एकमात्र ऐसा फीफा संघ था जिसका वैंकूवर में हुई फीफा कांग्रेस में कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि ईरान अमेरिका जाएगा और तय कार्यक्रम के अनुसार ही अपने मैच खेलेगा - भले ही मार्च में ईरान ने अपने मैचों को मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3881

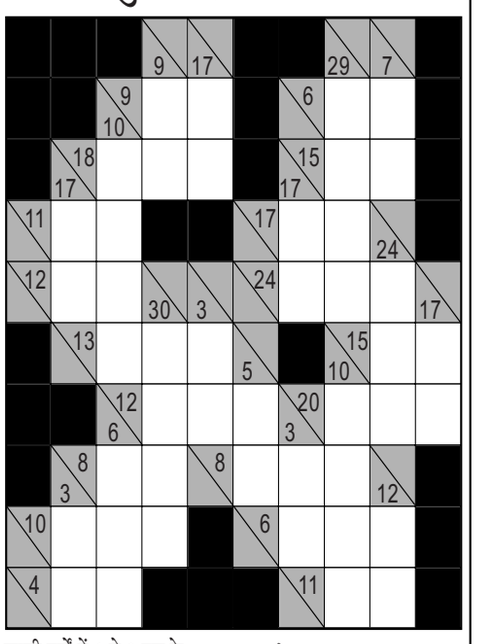

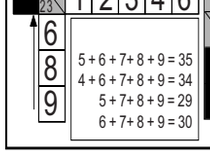

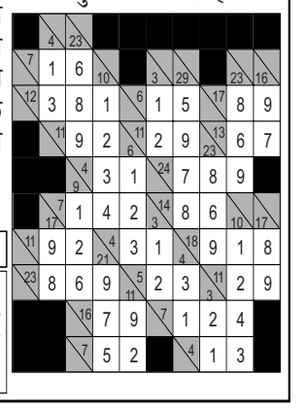

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3880 का हल

लॉफिंग जोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

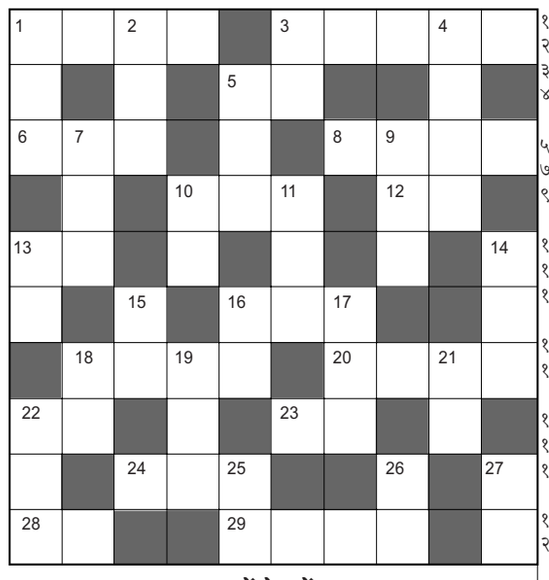

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

फिल्म वर्ग पहेली- 3881

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3880

पि	या	का	घ	र	■	ए	ल	ओ	सी
ता	ग	■	र	■	घा	त	■	म	■
■	ना	च	■	चाँ	■	ग	खी	■	फ
रे	■	मे	हं	दी	■	ज	■	खा	की
श	मी	ली	■	सो	च	■	श	■	ग
नी	■	■	ब	ना	र	सी	बा	बू	■
■	ग	द	र	■	स	■	ना	म	■
बा	ज	■	सा	थी	■	मि	■	■	अं
जा	ल	■	त	■	दि	ल	का	ग	जा
र	■	माँ	■	मि	ल	न	■	■	म

सूडोकु -3881

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3880 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3881

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -3880 का हल

अ	ना	द	र	णी	या	■	प्र	क्षे	प	क
सं	ग	■	वे	■	कृ	पा	ण	■	र	म
वै	■	अ	दा	व	त	■	या	हां	■	जो
धा	रा	दा	र	■	■	अ	■	का	त	र
नि	■	व	■	प्र	क्षा	ल	न	■	म	■
क	म	त	र	ता	■	सा	ग	र	गा	मी
■	लि	■	स	र	मा	या	■	द	■	न
बे	का	बू	■	णा	■	■	व	न	वा	सी
क	■	आ	स	■	अ	द	र	क	■	लै
द	म	■	ब	हा	र	■	दा	■	ता	व
र	सा	त	ल	■	ज	ही	न	कु	श	ल

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिटेंड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

'ग्लोरी' के लिए हर दिन करता था 5-6 घंटे ट्रेनिंग

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने बातचीत में कहा 'जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूं, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूं।'

हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा 'एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूं और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।' उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।

वेब सीरीज 'ग्लोरी', भारतीय बॉक्सिंग की दुनिया को दिखाती है। इसमें पारिवारिक ड्रामा, बदला और एक मर्डर मिस्ट्री का मेल है। इसमें दिव्येंदु, सुविंदर विक्की, जन्नत जुबैर, आशुतोष राणा, सिकंदर खेर, सयानी गुप्ता, यशपाल शर्मा, कश्मीरा परदेशी और कुणाल ठाकुर हैं।

प्रेग्नेंसी के बावजूद 'राका' की शूटिंग जारी रखेंगी दीपिका

एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राका' दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन की वजह से पहले से ही चर्चाओं में है। हाल ही में इसका पोस्टर भी शेयर किया गया था, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इस बीच दीपिका की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उनके किरदार को लेकर कई सवाल सामने आ रहे थे, जिनके कुछ जवाब सामने आए हैं।

ऐसे शूट होंगे एक्शन सीन

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'राका' को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद भी फिल्म में अपने अहम किरदार को निभा रही हैं और उनके रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म की टीम ने पहले ही बताया था कि दीपिका प्रेग्नेंसी के दौरान भी शूटिंग जारी रखेंगी, और कुछ एक्शन सीन बॉडी डबल की मदद से पूरे किए जाएंगे। अब ताजा अपडेट के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार पहले जैसा ही रहेगा और कहानी में उनका इमोशनल ट्रैक भी वैसा ही रखा गया है।

रोल में नहीं होगा कोई बदलाव

प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका फिल्म में कहानी का बहुत अहम हिस्सा हैं और उनके सीन में कोई कटौती नहीं की गई है। बताया गया है कि एक्शन वाले कुछ हिस्से अब बॉडी डबल से शूट होंगे, जबकि वह खुद इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शूट करती रहेंगी। सूत्र ने कहा, 'दीपिका की फिल्म में शानदार एंट्री है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन मोमेंट भी है। ये सभी सीन अब बॉडी डबल से किए जाएंगे, लेकिन उनके ड्रामेटिक सीन वैसे ही रहेंगे। उनका रोल बिल्कुल वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह फिल्म की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी के कारण कुछ भी हटाया नहीं गया है।' पहले भी एक सूत्र ने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी दीपिका फिल्म के इंटेंस एक्शन सीन शूट कर रही थीं और वह पूरे प्रोजेक्ट के दौरान शूटिंग जारी रखेंगी।

ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अक्सर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है।

उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है।

बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता

पवित्रा पुनिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, 'सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।'

ट्रोल मत करो चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि 'उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं, 1 लाख सर्जरी करवाई हैं।' वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।'

अनिल रविपुडी की फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेट्टी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है।

एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी

इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने 'पटास' से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है

बचपन में 'तारे जमीन पर' से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, अपने स्ट्रगल, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, 'लोग बाहर से इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूं, उसके साथ पहले काम कर चुका हूं, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।'

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, 'इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको ढूंढने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।'

नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उतार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूं। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।'

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को 'फेक' बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश भी कर सकते हो। अगर किसी को आप स्क्रिप्ट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है।' वह आगे जोड़ते हैं, 'अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लोगे। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखना बंद कर देते हैं।

जहां तक स्टार किड्स की बात है, जैसे बाबिल... मुझे हमेशा लगता है कि उन पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है। अगर आप किसी बड़े स्टार के बेटे या बेटी हो, तो एक्सपेक्टेशन भी उतनी ही बड़ी होती है। लोग आपको जज करते हैं, लेकिन वो प्रेशर नहीं देखते।'

मेंटैलिटी बदलो, रास्ते खुद बनेंगे

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, 'मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूं कि ये सब मेंटैलिटी की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।'

फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूं। सोचता हूं। चीजों को समझने की कोशिश करता हूं। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में खसरे का कोहराम : अब तक 294 बच्चों की मौत

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप एक भयावह महामारी का रूप ले चुका है। पिछले कुछ दिनों में खसरे और इसके जैसे लक्षणों के कारण 10 और बच्चों की मौत हो गई है, जिसके बाद देश में मरने वाले बच्चों की कुल संख्या 294 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि शनिवार से रविवार सुबह के बीच मात्र 24 घंटों के दौरान खसरे से हुई मौतों का आंकड़ा 50 तक पहुंच गया। जिसने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साइंस एडवाइजर की रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट की मुख्य वजह जुलाई 2024 के राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों के बाद शुरू हुई वैक्सीन की खरीद में बहुत बड़ी रुकावट है। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के 18 महीनों के कार्यकाल के दौरान देश का पूरा वैक्सीनेशन कवरेज सिस्टम अस्त-व्यस्त हो गया। सबसे बड़ा बदलाव सितंबर 2025 में देखा गया जब अंतरिम सरकार ने यूनिसेफ के माध्यम से वैक्सीन खरीदने की पुरानी प्रक्रिया को बंद कर दिया और इसकी जगह 'ओपन टेंडर सिस्टम' अपना लिया। इस नई खरीद प्रक्रिया के कारण वैक्सीन की आपूर्ति में देरी हुई और देश भर में टीकाकरण दर में भारी गिरावट आई है। खसरे का संक्रमण ढाका, बारिशाल, चटगांव, खुलना और सिलहट जैसे प्रमुख डिवीजनों में फैल चुका है। विशेष रूप से बंदरबन जिले के अलीकादम जैसे पहाड़ी और दूर-दराज के इलाकों में स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। वहां बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं और वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण अपने बच्चों का इलाज स्थानीय नुस्खों और हर्बल दवाओं से करने को मजबूर हैं। अब तक देश में खसरे के 5,313 मामले सामने आ चुके हैं जबकि संदिग्धों की संख्या 40,491 के पार पहुंच गई है। हालात बिगड़ते देख विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत टीकाकरण नहीं बढ़ाया गया तो यह बीमारी और तेजी से फैलेगी। इसी बीच, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि इसे आधिकारिक तौर पर हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया जाए। उनका कहना है कि हालात पहले से ही गंभीर हैं इसलिए सरकार को इसे आपातकाल घोषित करने में अब देरी नहीं करनी चाहिए।

यूक्रेन के मेरेफा पर रूस का मिसाइल हमला, फ्रंट लाइन से दूर रिहायशी इलाकों में मची तबाही ; कई लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। सोमवार को रूस ने यूक्रेन के खार्किव इलाके में स्थित मेरेफा शहर पर जोरदार मिसाइल हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 5 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह शहर युद्ध के फ्रंट लाइन से काफी दूर है, फिर भी वहां आम लोगों की इमारतों और सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इलाके के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि रूस के इस हमले से शहर में काफी तबाही हुई है। मिसाइल गिरने से 10 घर, एक सरकारी दफ्तर, 4 दुकानें, एक गैराज और एक रेस्टोरेंट पूरी तरह या कुछ हद तक खत्म हो गए हैं। गवर्नर ने कहा कि रूसी सेना ने दिन के उजाले में जानबूझकर उन जगहों को निशाना बनाया जहां आम लोग रहते हैं जबकि यह इलाका युद्ध के मुख्य मैदान से काफी दूर और सुरक्षित माना जाता था। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई है। जिनमें दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, 18 अन्य लोग घायल हुए हैं। जिनमें से चार की स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों की शुरुआती जांच के अनुसार, इस हमले में इस्कंदर बैलिस्टिक मिसाइल का प्रयोग किया गया था। हमले के बाद राहत और बचाव टीम ने जो तस्वीरें जारी की हैं वे दिल दहला देने वाली हैं। उनमें देखा जा सकता है कि धमाके से इमारतों की छतें उड़ गई हैं और खिड़कियां चकनाचूर हो गई हैं। बचावकर्मी मौके पर ही घायल और खून से लथपथ लोगों की मदद और उनका इलाज करने में जुटे हैं।

राजदूत क्वात्रा ने पेन्सिलवेनिया के गवर्नर से की मुलाकात, आर्थिक व तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

पेन्सिलवेनिया, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो से मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक व तकनीकी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। गवर्नर शापिरो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वे निवेश बढ़ाने, प्रतिभा के अवसरों का विस्तार करने और दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए अच्छे रोजगार बनाने के लिए साथ काम जारी रखने को उत्सुक हैं। वहीं, भारतीय दूतावास के अनुसार, क्वात्रा ने भारत में बुनियादी ढांचे, डिजिटल और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) में तेजी से हो रहे बदलावों की जानकारी दी और पेनसिल्वेनिया में भारतीय समुदाय के समर्थन के लिए शापिरो का धन्यवाद किया।

होर्मुज में भीषण टकराव: ईरान का दावा- अमेरिकी युद्धपोत पर दागीं दो मिसाइलें; अमेरिका ने हमले से किया इनकार

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में जारी सैन्य गतिरोध अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुच गया है। सोमवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की नौसेना ने दावा किया कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत पर दो मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी समाचार एजेंसी 'फार्स' के अनुसार, यह कार्रवाई तब की गई जब अमेरिकी जहाज ने ईरानी नौसेना की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया था।

चेतावनी के बाद दो मिसाइल दागी : ईरानी मीडिया का दावा है कि एक अमेरिकी युद्धपोत दक्षिणी बंदरगाह शहर जास्क के पास नियमों को तोड़ते हुए नौकायन कर रहा था। ईरान की नौसेना द्वारा चेतावनी दिए जाने के बाद, उस पर दो मिसाइलें दागी गईं। जिससे अमेरिकी जहाज को वहां से पीछे हटने और भागने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि उनके किसी भी जहाज को मिसाइल नहीं लगी है। वहीं, ईरान ने साफ कर दिया है कि उसकी अनुमति के बिना होर्मुज से किसी भी विदेशी जहाज का गुजरना संभव नहीं होगा और उल्लंघन करने वालों को कड़ा जवाब दिया जाएगा।

ईरान ने खबरों को किया खारिज : एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने ईरानी मीडिया की उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी जहाज पर मिसाइल हमला हुआ है। अमेरिका का कहना है कि उनके किसी भी जहाज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में खड़ा हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का ऐलान किया था। इस मिशन के तहत सोमवार से अमेरिकी सेना होर्मुज में फंसे दूसरे देशों के जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू कर रही है।

ईरान की सेना की कड़ी चेतावनी : ईरान के मुख्य सैन्य कमान खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने सोमवार को चेतावनी जारी की है कि अगर अमेरिका या किसी भी देश की सेना होर्मुज में घुसने की कोशिश करेगी तो उस पर हमला किया जाएगा।

ईरान ने साफ कर दिया है कि इस समुद्री रास्ते की सुरक्षा उसके हाथों में है और यहां से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरान की सेना से अनुमति लेनी होगी। दरअसल, 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के जवाब में उसने इजरायल-अमेरिका से जुड़े जहाजों के लिए यह रास्ता बंद कर दिया था।

बातचीत फेल और बढ़ा खतरा : गौरतलब है कि 11 और 12 अप्रैल को ईरान और अमेरिका के बीच सुलह की कोशिशें नाकाम रहीं जिससे तनाव और ज्यादा बढ़ गया। बातचीत के विफल होते ही अमेरिका ने होर्मुज पर ईरान के खिलाफ नाकेबंदी लगा दीं। अब डर यह है कि दोनों देशों के बीच की यह आपसी खींचतान एक बड़े युद्ध का रूप ले सकती है।

बलूचिस्तान में हिंसा से टूटी अमेरिकी उम्मीदें: ट्रंप की निवेश योजनाएं अटकी, कई कंपनियां भी कदम खींच रहीं पीछे

इस्लामाबाद , एजेंसी। बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका की बड़ी आर्थिक योजनाओं को झटका दे दिया है। पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मुलाकात के बाद जो नई शुरुआत दिखी थी, वह अब जमीन पर कमजोर पड़ती नजर आ रही है। खनिज संपदा से भरपूर इस क्षेत्र में निवेश की उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार हमलों ने हालात बिगाड़ दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने चीन को टक्कर देने के लिए पाकिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश का जोखिम उठाया था। सितंबर 2025 में दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हुई और 1.3 अरब डॉलर के निवेश का रास्ता खुला। लेकिन बलूच लिबरेशन आर्मी के बढ़ते हमलों ने इन योजनाओं को रोक दिया। जनवरी से लगातार हमलों के कारण अमेरिका अब यहां निवेश करने से पीछे हटता दिख रहा है। बलूचिस्तान में हालात तेजी से बिगड़े हैं। 31 जनवरी को हुए बड़े हमले में करीब 500 लड़ाकों ने 58 लोगों की जान ले ली। इसके बाद से कई हमले हुए, जिनमें सैन्य ठिकानों और नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। इन घटनाओं के कारण विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और कई कंपनियां अपने कदम पीछे खींच रही हैं। बलूचिस्तान सोने और तांबे के बड़े भंडार के लिए जाना जाता है।

सैन्य कार्रवाई राजनीतिक संकट का समाधान नहीं है: अराघची ने अमेरिका और यूएई को दी चेतावनी

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिन होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों के ट्रांजिट के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की शुरुआत की। अमेरिका के इस मिशन को लेकर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम ही प्रोजेक्ट डेडलॉक है। इसके अलावा ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी देते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई किसी भी राजनीतिक संकट का हल नहीं है। अमेरिका और यूएई को चेतावनी देते हुए अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'होर्मुज की घटनाओं से यह साफ हो गया है कि राजनीतिक संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है। पाकिस्तान की अच्छी कोशिश से बातचीत आगे बढ़ रही है। इसलिए अमेरिका को इस बात से सावधान रहना चाहिए कि उसके दुश्मन उसे फिर से दलदल में न घसीट लें। संयुक्त अरब अमीरात को भी ऐसा ही करना चाहिए। प्रोजेक्ट फ्रीडम ही प्रोजेक्ट डेडलॉक है।' इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बताने से मना कर दिया कि यूएस और ईरान के बीच हुआ सीजफायर जारी रहेगा या नहीं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने बताया कि कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट ह्यूग हेविट ने जब पूछा कि क्या ईरान के साथ सीजफायर खत्म हो गया है और क्या सोमवार रात से हमले फिर से शुरू हो सकते हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मैं आपको यह नहीं बता सकता। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने ईरानी सेना को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने स्ट्रेट या फारस की खाड़ी में अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की तो वे धरती से मिट जाएंगे। बाद में इंटरव्यू में उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान के साथ युद्ध, मिलिट्री तौर पर, असल में खत्म हो चुका है। वहीं डेनमार्क की शिपिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनी मेर्सक ने सोमवार को कंफर्म किया कि उसका एक जहाज अमेरिकी मिलिट्री प्रोटेक्शन के साथ होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा और उसके सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनी मेर्सक के एक बयान के मुताबिक, फरवरी में जब युद्ध शुरू हुआ, तब अलायंस फेयरफैक्स नाम का यह जहाज फारस की खाड़ी में था और जाने में असमर्थ था। मेर्सक ने कहा कि अमेरिकी सेना ने हाल ही में उनसे संपर्क किया था। इसकी वजह से जहाज को अमेरिकी सेना की सुरक्षा में खाड़ी से बाहर निकलने का मौका मिला। मेर्सक के बयान के आखिर में कहा गया, 'मेर्सक इस ऑपरेशन को मुमकिन बनाने में अमेरिकी सेना के प्रोफेशनलिज्म और असरदार सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करता है।

ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी व्यापार नीति का मुख्य टूल बताया, चीन पर साधा निशाना

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार नीति का एक मुख्य टूल बना रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ से चीन और दूसरे देशों के खिलाफ कड़े कदम उठाने का संकेत मिला, जिन्होंने यूएस के बिजनेस को नुकसान पहुंचाया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि सस्ते इंपोर्ट से घरेलू कंपनियों को नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस महीने के आखिर में चीन के दौरे पर जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन की यात्रा से पहले उन्होंने कहा, 'चीन और दूसरे देशों के ऐसे प्रोडक्ट बनाने से आपको नुकसान हो रहा है जो उतने अच्छे नहीं हैं, लेकिन उनमें कम पैसे लगते हैं।' उन्होंने तर्क दिया कि टैरिफ इस ट्रेंड को बदलने और रेवेन्यू बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, 'टैरिफ के इस्तेमाल की वजह से, हमारे पास यह सारा पैसा है।' राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि मौजूदा टैरिफ लेवल शायद काफी नहीं हैं। उन्होंने उन सेक्टर्स की ओर इशारा करते हुए कहा, 'मेरे विचार में टैरिफ सच में काफी ज्यादा नहीं हैं, जिन पर विदेशी कॉम्पिटिशन का लगातार दबाव है। ट्रंप ने कहा कि कंपनियां प्रोडक्शन को अमेरिका में शिफ्ट करके टैरिफ से बच सकती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर वे यहां आकर बिजनेस बनाते हैं तो कोई टैरिफ नहीं है। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग में बड़े स्तर पर सुधार से जोड़ा और कहा, 'हमने अपनी कार इंडस्ट्री खो दी और वे सब वापस आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका-चीन संबंध को कॉम्पिटिटिव बताया, लेकिन दुश्मनी वाला नहीं और कहा, 'हम एआई में चीन से आगे हैं। हमारे बीच फ्रेंडली कॉम्पिटिशन है।' साथ ही, उन्होंने पिछली ट्रेड नीति की आलोचना की और कहा, 'इस देश में हमें दशकों से ठगा गया है। पहले की सरकारें घरेलू उद्योगों को बचाने में नाकाम रही हैं। टैरिफ ने हमारे देश को अमीर बनाया है।' ट्रंप ने फर्नीचर और मैन्युफैक्चरिंग समेत कुछ खास सेक्टर्स पर जोर दिया, जहां उन्होंने कहा कि टैरिफ से प्रोडक्शन को अमेरिका में वापस लाने में मदद मिलेगी।

चीन के बड़े पटाखा प्लांट में भीषण धमाका, 21 लोगों की मौत और 61 घायल

चांग्शा , एजेंसी। सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा प्लांट में बड़े धमाके की जानकारी सामने आई है। चीनी अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस धमाके में 21 लोगों की मौत हो गई और 61 अन्य घायल हो गए। धमाके के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से शुरू कर दिया गया है। चीनी मीडिया के अनुसार, धमाका सोमवार शाम करीब 4:43 बजे हुशेंग पटाखे बनाने और डिस्प्ले वाली कंपनी के प्लांट में हुआ। यह हुनान की राजधानी चांग्शा के प्रांतीय स्तर के शहर लियुयांग में है। बचाव के लिए पांच टीमों में 480 से ज्यादा बचाव दल भेजे गए हैं और तीन बचाव रोबोट भी तैनात किए गए हैं। जिस जगह पर धमाका हुआ है, उसके आसपास दो ब्लैक पाउडर गोदाम भी हैं। इसलिए बचाव दल ने आस-पास के लोगों को इलाके से निकाला और दूसरा हादसा रोकने के लिए एक बफर जोन बना दिया है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक, बचाव दल ने पहले राउंड की खोज के बाद हताहतों की पुष्टि कर दी थी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और दूसरे राउंड की खोज जारी है। इमरजेंसी मैनेजमेंट मंत्रालय ने इमरजेंसी बचाव प्रयासों में मदद के लिए एक्सपर्ट्स को मौके पर भेजा है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि कंपनी के इंचार्ज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। बचाव दल को पटाखे के प्लांट के 3 किलोमीटर (1.9 मील) के दायरे में सभी को निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों को रेस्क्यू करने के दौरान दूसरे हादसों को रोकने के लिए इलाके में नमी बनाए रखने जैसे उपाय भी किए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन लोगों को ढूंढने के लिए पूरी कोशिश करने को कहा है जो अभी भी लापता हैं और घायलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी मीडिया ने बताया कि शी ने हादसे की जांच की भी मांग की ताकि जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सके। लियुयांग शहर पटाखे बनाने के लिए जाना जाता है, रिपोर्ट्स में इसे दुनिया का सबसे बड़ा पटाखे बनाने वाला शहर बताया गया है। चीन में पटाखों की फैक्ट्रियों और दुकानों में धमाकों की घटनाएं पहले भी हुई है और ये अक्सर जानलेवा होते हैं। इससे पहले फरवरी में, हुबेई प्रांत में एक पटाखों की दुकान में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे।

प्रशासन ने क्या कड़े कदम उठाए : इस भयंकर विस्फोट के बाद भी खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। प्लांट के अंदर काले बारूद (ब्लैक पाउडर) के दो बड़े गोदाम मौजूद हैं, जिनसे एक और बड़ा धमाका होने का भारी जोखिम बना हुआ है। इस खतरे को देखते हुए बचाव कमान ने घटनास्थल के 1 किलोमीटर के दायरे को 'कोर रेस्क्यू जोन' (मुख्य बचाव क्षेत्र) और 3 किलोमीटर के दायरे को 'कंट्रोल जोन' (नियंत्रण क्षेत्र) घोषित कर दिया है। एहतियात के तौर पर इस खतरनाक इलाके में रहने वाले सभी स्थानीय निवासियों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। किसी अन्य हादसे को रोकने के लिए बचाव दलों ने पूरी फैक्ट्री के चारों ओर आइसोलेशन बेल्ट और फायरब्रेक बना दिए हैं। इसके साथ ही बचे हुए बारूद के खतरे को खत्म करने के लिए लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

अगले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के लिए महिला उम्मीदवार का चीन ने किया समर्थन, चयन प्रक्रिया शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के रूप में एक महिला के चुनाव का समर्थन किया है। इसके साथ कहा कि वैश्विक संस्था के नेतृत्व में एक महिला नेता को देखकर बहुत खुशी होगी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्षों के इतिहास में कभी भी किसी महिला नेता ने नेतृत्व नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में अगले प्रमुख के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

दो महिला उम्मीदवार कौन हैं? : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट और संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन सहित दो महिलाएं विश्व के शीर्ष राजनयिक के पद के लिए

दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से हैं।

80 साल में एक भी महिला महासचिव नहीं : संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत फू कोंग ने सोमवार को यहां कहा, 'हमें एक महिला महासचिव को देखकर खुशी होगी। 80 साल हो गए हैं, इसलिए अगर हमें एक महिला महासचिव मिल जाए तो चीन को बहुत खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल भी संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। पिछले महीने चारों उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और नागरिक समाज के व्यापक संवादात्मक संवादों के दौरान अगले महासचिव के पद के लिए उनके दृष्टिकोण और संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष पद के लिए वे सबसे अच्छे विकल्प क्यों हैं? इस बारे में सवालों का सामना करना पड़ा।

मजबूत महासचिव की जरूरत- चीन : जब उनसे पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए चार नामांकित व्यक्तियों में से चीन का कोई पसंदीदा उम्मीदवार है, तो मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रहे फू ने पिछले सप्ताह कहा, 'अगर होता, तो मैं आपको नहीं बताता।' उन्होंने कहा कि बीजिंग के पास अगले महासचिव के लिए कुछ मानदंड हैं। यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र एक बहुत ही नाजुक मोड़ पर है और एक मजबूत महासचिव की आवश्यकता है , जो वास्तव में बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध हो, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हो और किसी एक महाशक्ति की नीतियों के साथ बहुत अधिक जुड़ा हुआ न हो।

भारतीय अमेरिकियों ने बंगाल में भाजपा की जीत का किया स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय अमेरिकी नेताओं ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक जनादेश' और राज्य में शासन, सुरक्षा और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया है। प्रख्यात भारतीय अमेरिकी डॉ. भरत बराई ने इस परिणाम को 'पश्चिम बंगाल की जनता के लिए एक बड़ी जीत' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने 'राज्य के सभी संसाधनों का उपयोग करके एक माफिया साम्राज्य को बढ़ावा दिया।' उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बलात्कार, आगजनी, हत्या जैसी धमकियों से धमकाया और उन्हें मतदान करने से रोका। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'टीएमसी के गुंडों ने ईवीएम पर भाजपा उम्मीदवारों के लिए मतदान बटनों को टेप से ढक दिया और ब्लॉक कर दिया। 'पश्चिम बंगाल में आतंक के शासन' से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया है।

ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) के अध्यक्ष डॉ. अदापा प्रसाद ने बंगाल और विशेष रूप से असम की जनता को भाजपा की बंगाल में ऐतिहासिक और असम में शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने पुडुचेरी में भी बड़ी जीत हासिल की और केरल में महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त किए, जबकि तमिलनाडु में सीटों की संख्या में यथास्थिति बनाए रखी।

डॉ. अदापा प्रसाद ने कहा कि इस परिणाम के व्यापक निहितार्थ हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा की बंगाल में जीत भारत की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बंगाल के बुरे दिन अब समाप्त हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने '50 वर्षों तक बेरोकटोक गुंडागर्दी, जबरन वसूली, हिंसा, घुसपैठ, जनसांख्यिकीय परिवर्तन, उद्योगों की हानि और अन्य समस्याओं का सामना किया है। ओएफबीजेपी-यूएसए के महासचिव डॉ. वासुदेव पटेल ने राज्य के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'पूर्व में स्थित भारत का यह सीमावर्ती राज्य राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि संगठन संयुक्त राज्य अमेरिका भर में विजय समारोह आयोजित करने की योजना बना रहा है। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रनील बसु-रे ने कहा कि दशकों के शासन के कारण 'पूर्ण औद्योगीकरण का पतन, व्यापक बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी और बुनियादी संसाधनों की कमी' के साथ-साथ 'अपराध की अत्यधिक मात्रा' भी हुई है, जिसमें एक आपराधिक गिरोह सड़कों पर राज कर रहा है।उन्होंने कहा, 'देशभक्त बंगालियों के 50 वर्षों से अधिक के संघर्ष के बाद बंगाल में भाजपा की शानदार जीत हासिल हुई है।' उन्होंने आगे कहा कि यह क्षण 'बंगाल की गरिमा को पुनः प्राप्त करने और उसकी आध्यात्मिक गौरव को फिर से स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है।'

उन्होंने कहा, 'यह ऐतिहासिक जनादेश जनता के विश्वास, आकांक्षाओं और मजबूत शासन, विकास और सांस्कृतिक गौरव की इच्छा को दर्शाता है। एआईटीसी के अप्रभावी और अक्षम शासन का अंत बंगाल के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है।

वेंस का काफिला गुजरते ही चली गोलियां: व्हाइट हाउस के पास एक हथियारबंद व्यक्ति ने की गोलीबारी; लगा लॉक डाउन

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में उस समय भारी हड़कंप मच गया जब व्हाइट हाउस के पास अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। एक हथियारबंद व्यक्ति और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों के बीच हुई इस भयंकर गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस को सुरक्षा कारणों से कुछ देर के लिए पूरी तरह से लॉक डाउन कर दिया गया। यह घटना वाशिंगटन स्मारक के पास ठीक उस समय हुई जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का काफिला वहां से गुजर रहा था।

सोमवार को अमेरिकी समयानुसार, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे 15वीं स्ट्रीट एसडब्ल्यू और इंडिपेंडेंस एवेन्यू एसडब्ल्यू के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार के साथ देखा गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के डिप्टी डायरेक्टर मैथ्यू सी. क्विन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि व्हाइट हाउस परिसर के बाहरी इलाके में लगातार गश्त कर रहे सादे कपड़ों वाले एजेंटों ने एक ऐसे संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास बंदूक थी। जब वर्दीधारी अधिकारी उस संदिग्ध व्यक्ति के पास पहुंचे, तो उसने मौके से पैदल भागने की कोशिश की और सीक्रेट सर्विस के एजेंटों पर सीधे गोलियां चला दीं।

क्या सीक्रेट सर्विस की जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध को लगी गोली : संदिग्ध व्यक्ति के अचानक हमला करने के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और उस पर गोलियां चलाईं। इस पुलिसिया फायरिंग में संदिग्ध व्यक्ति घायल हो गया, जिसे फौरन हिरासत में लेकर इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस के अधिकारी क्विन ने बताया कि इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति द्वारा चलाई गई एक गोली पास में मौजूद एक नाबालिग को भी लग गई। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि नाबालिग की जान को कोई खतरा नहीं है और उसकी चोटें जानलेवा

नहीं हैं। क्या यह हमला मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर किया गया था? घटना के तुरंत बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठा कि इस हथियारबंद व्यक्ति का असली निशाना आखिर कौन था। क्या वह उपराष्ट्रपति या मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमला करना चाहता था? इस पर डिप्टी डायरेक्टर क्विन ने स्पष्ट किया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि बंदूकधारी का निशाना कौन था। उन्होंने कहा कि हमारी टीम 24 घंटे इस इलाके में पूरी मुस्तैदी से गश्त करती है। यह हमला मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर निर्देशित था या नहीं, फिलहाल इसकी जांच की जा रही है और जल्द ही सच सामने आ जाएगा।

गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद लोगों का क्या हाल था : गोलीबारी शुरू होते ही दोपहर करीब 3:45 बजे सीक्रेट सर्विस ने व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन से मीडियाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित ब्रीफिंग रूम में पहुंचा दिया। वरमोंट से व्हाइट हाउस घूमने आए 21 वर्षीय रयान नेफ और उनकी मां अमांडा नेफ ने बताया कि वे तस्वीरें ले रहे थे, तभी उन्होंने उपराष्ट्रपति वेंस का काफिला गुजरते देखा। रयान के मुताबिक, इसके तुरंत बाद पांच-छह गोलियों की तेज आवाजें आईं। इलाके की हर पुलिस और हर गाड़ी उसी दिशा में तेजी से भागने लगी। लोग पूरी तरह से भ्रम और खौफ में थे। घटना के बाद डीसी पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और कई घंटों तक सड़कों को बंद रखा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)